mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-118 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
30 अप्रैल 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

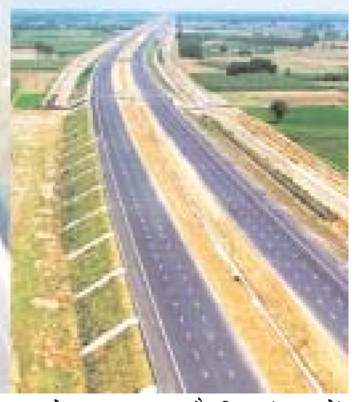

मोदी ने यूपी के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया:हरिद्वार से भी जुड़ेगा;

पीएम बोले- बंगाल जैसी बंपर वोटिंग दशकों में नहीं देखी

हरदोई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूपी के हरदोई में प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने ऐलान किया कि एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से भी जोड़ा जाएगा।

पीएम ने सपा और कांग्रेस पर कहा- सपा विकास और नारी विरोधी है। बीते दिनों एक बार फिर देश ने इनका नारी विरोधी चेहरा देखा है। इन लोगों ने नारी शक्ति वंदन संशोधन के खिलाफ वोट किया।पीएम ने पश्चिम बंगाल में चल रही दूसरे चरण की वोटिंग का जिक्र किया। कहा- जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। ऐसी वोटिंग दशकों में नहीं देखी।

इससे पहले पीएम ने एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगाया। सीएम योगी के साथ एक्सप्रेस-वे पर पैदल भी चले। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। इससे मेरठ से प्रयागराज की दूरी सिर्फ 6 घंटे में पूरी होगी। अब तक 11-12 घंटे लगते थे।

एक्सप्रेस-वे करीब 37,350 करोड़ रुपए की लागत से 5 साल में बनकर तैयार हुआ है। इस हिसाब से 1 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की औसत लागत करीब 62 करोड़ 87 लाख रुपए है। मोदी ने ही 18 दिसंबर, 2021 को शाहजहांपुर में एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था। इससे पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे यूपी का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे था, जिसकी लंबाई 340 किमी है।

यूपी के पास असीम क्षमता है। युवा आबादी है। इस ताकत का इस्तेमाल यूपी को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए किया जा रहा है। कारखाने लगेंगे, निवेश आएगा तो आर्थिक प्रगति के दरवाजे खुलेंगे। इसी विजन को केंद्र में रखकर काम किया गया है। यूपी की पहचान पहले पलायन से होती थी, आज कॉरिडोर और इन्वेस्टर समिट के लिए जानी जाती है। हजारों करोड़ का निवेश हो रहा है। मोबाइल निर्माण में यूपी का बड़ा योगदान है। नोएडा में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया गया है। यूपी इसमें भी लीड लेने के लिए आगे बढ़ रहा है। यूपी का विकास भारत की सामरिक ताकत बन रहा है। देश के दो डिफेंस कॉरिडोर में से एक यूपी में है।

मोदी बोले- यूपी का विकास भारत की सामरिक ताकत बन रहा

पीएम मोदी ने कहा- अब उन कठिनाइयों का समाधान होगा। बड़े बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा। यह एनसीआर की असीम संभावनाओं को भी करीब लाएगा। इसके किनारे औद्योगिक अवसर मिलेंगे। सभी 12 जिलों में नए उद्योग आएंगे और फार्मा के क्लस्टर विकसित होंगे। युवा नए कीर्तिमान गढ़ रहे हैं। छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है। पुरानी सरकारों में क्या हरदोई-उन्नाव जिलों में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने की कल्पना हो सकती थी? क्या कोई सोच सकता था कि हरदोई से भी एक्सप्रेस-वे गुजरेगा? यह सब भाजपा सरकार में ही संभव हुआ है। यूपी को पहले पिछड़ा और बीमारू कहा जाता था, वही यूपी आज एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की ओर बढ़ रहा है। यह बड़ा लक्ष्य है और उतनी ही बड़ी तैयारी भी है।

मोदी बोले- सत्ता की भूख में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे

मोदी ने कहा- आप लोग देख रहे हैं कि आज पूरी दुनिया कैसे युद्ध, अशांति और अस्थिरता में फंसी हुई है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों की हालत खराब है। लेकिन भारत विकास के रास्ते पर उसी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। भारत के दुश्मनों को यह पसंद नहीं आ रहा है। भीतर बैठे कुछ लोग सत्ता की भूख में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे हुए हैं। फिर भी हम न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि विकास के नए-नए कीर्तिमान भी गढ़ रहे हैं। हम आत्मनिर्भर भारत के अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। हम आधुनिक से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहे हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे इसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

मोदी बोले- आज बंगाल में लोग भयमुक्त होकर वोट दे रहे

पीएम मोदी ने कहा- आज लोकतंत्र के उत्सव का भी अहम दिन है। बंगाल में इस समय वोटिंग हो रही है। खबरें आ रही हैं, जिनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है। पहले चरण की तरह ही जनता वोट देने के लिए निकल रही है। लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें आ रही हैं। पिछले 6-7 दशकों में ऐसा नहीं हुआ, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी। इस बार बंगाल में निर्भीक वातावरण में वोटिंग हो रही है। बंगाल में लोग भयमुक्त होकर वोट दे रहे हैं। यह देश के संविधान और मजबूत होते लोकतंत्र का पुण्य प्रतीक है। मैं बंगाल की महान जनता का आभार जताता हूं। वोटिंग खत्म होने में अभी कई घंटे बाकी हैं। लोकतंत्र के इस पर्व में इसी उत्साह से भाग लें। कुछ समय पहले बिहार में चुनाव हुए थे, तो भाजपा-एनडीए ने प्रचंड जीत हासिल की थी और इतिहास रच दिया था। कल ही गुजरात में महानगर पालिका, नगर पालिका, जिला पंचायत, नगर पंचायत और तहसील पंचायतों के नतीजे आए हैं।

तेलंगाना : पुलिसकर्मियों को जन्मदिन और सालगिरह पर मिलेगी स्पेशल लीव, वर्क-लाइफ बैलेंस पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। तेलंगाना पुलिस ने अपने कर्मियों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जन्मदिन और शादी की सालगिरह पर विशेष छुट्टी देने की घोषणा की है। इस पहल से पुलिस बल के मनोबल में इजाफा होने और बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस सुनिश्चित करने की उम्मीद है।

डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया है कि पुलिस की नौकरी अत्यंत चुनौतीपूर्ण और थकाऊ होती है। इसलिए पुलिसकर्मियों को उनके महत्वपूर्ण व्यक्तिगत अवसरों पर छुट्टी देकर उन्हें परिवार के साथ समय बिताने का मौका दिया जाएगा। यह फैसला पूरे पुलिस बल के कल्याण को ध्यान में रखकर लिया गया है।

सर्कुलर में दिए गए निर्देश

सर्कुलर के अनुसार, सभी यूनिट अधिकारियों को जन्मदिन और वेडिंग एनिवर्सरी पर छुट्टी मंजूर करने के निर्देश दिए गए हैं। छुट्टी केवल असाधारण परिस्थितियों में ही रोकी जा सकती है। सर्कुलर में साफ लिखा गया है कि सैंक्शनिंग अथॉरिटी छुट्टी मंजूर करेगी, जब तक कि इसे अस्वीकार करना बहुत जरूरी न हो। यह छुट्टी किसी भी कर्मी को स्वतः नहीं मिलेगी। छुट्टी लेने के लिए कर्मी को पहले से लिखित आवेदन करना होगा और जन्मदिन या शादी की सालगिरह का वैध प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। बिना सही दस्तावेजों के छुट्टी नहीं दी जाएगी।

गाजियाबाद में 15 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग

7 फ्लोर को चपेट में लिया, लोग भागे; घर जलता देख महिलाएं फूट-फूटकर रोईं

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में बुधवार सुबह 8.30 बजे 15 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी के टावर-डी में 9वें फ्लोर पर लगी। देखते ही देखते आग ने 7 मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार करीब 5 किमी दूर से दिखाई दे रहा था। गनीमत रही कि फ्लैट में रहने वाले लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आए। सीढ़ियों से नीचे की ओर भागे। अपना घर जलते देखकर महिलाएं फूट-फूटकर रो पड़ीं। सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। धुएं की वजह से कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। उन्हें तुरंत ही अस्पताल पहुंचाया गया।

सूचना पर फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास में जुट गईं। बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में लगी आग पर काबू पाने के लिए हाइड्रोलिक क्रेन की मदद ली गई। बगल की बिल्डिंग के लोग भी पाइप से आग बुझाने में जुट गए।इस बीच, सीएम योगी ने घटना का संज्ञान लेकर अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा- मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस कमिश्नर, डीएम को भी मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। करीब 3 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। एम्बुलेंस और पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद हैं।

बंगाल में सेकेंड फेज में 90% वोटिंग:नॉर्थ 24 परगना में टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसा

दावा- हावड़ा में CRPF की पिटाई से बुजुर्ग की मौत

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 5 बजे तक 89.99% वोटिंग हुई। यह आकंड़ा और बढ़ सकता है। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और EVM से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं।

नॉर्थ 24 परगना के अरविंद रैली में TMC और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प हुई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर मुक्के, लाठियों से हमले किए। भारी संख्या में सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद हालात बेकाबू दिखे।

CM ममता ने CRPF पर TMC समर्थकों और वोटरों से मारपीट का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि CRPF ने हमारे कई लोगों को गिरफ्तार किया है। वोटरों और सेंट्रल ऑब्सर्वर लोगों को मार रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा।

TMC ने आरोप लगाया कि CRPF के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। ञस्ष्ट महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि बुजुर्ग अपने बेटे के साथ वोट डालने गए थे। केंद्रीय बलों ने उन्हें धक्का दिया और

मोदी ने काशी विश्वनाथ में पूजा की, त्रिशूल लहराया

108 बटुकों ने शंखनाद किया, 14किमी. के रोड शो में फूल बरसाए, भाजपा कार्यकर्ता नाचते दिखे

वाराणसी, एजेंसी। काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह में 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की। पांच पंडितों ने उन्हें पूजा कराई, माला पहनाई और त्रिपुंड लगाया। पीएम मंदिर से बाहर निकले तो भाजपा नेताओं ने उन्हें त्रिशूल और डमरू भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने त्रिशूल उठाकर लहराया। पीएम 14 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए विश्वनाथ मंदिर पहुंचे थे। गेट पर 108 बटुकों ने शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया। मंदिर में पीएम बच्चों से भी मिले और उनसे बातचीत की।

इससे पहले, पीएम के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों पर डांस करते नजर आए। प्रधानमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया। काफिले पर फूल बरसाए गए। पीएम ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हालांकि, वह कहीं रुके नहीं। काशी से पीएम हरदोई के लिए रवाना हो गए हुए वहां गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। प्रधानमंत्री का 11 साल में यह 54वां काशी दौरा है। हालांकि, यह 2026 का पहला दौरा है। इससे पहले, पीएम नवंबर 2025 में काशी आए थे।

ईरान बोला- हमारे लिए अब भी जंग जैसे हालात

युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ, दुश्मन ने हमला किया तो नए तरीके से जवाब देंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान ने कहा है कि उसके लिए हालात अब भी जंग जैसे बने हुए हैं। प्रेस टीवी के मुताबिक ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने कहा कि ईरान मौजूदा हालात को सामान्य नहीं मानता है। उन्होंने कहा कि सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार मॉनिटरिंग और सर्विलांस कर रही हैं, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।ईरान ने दुश्मन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई नई कार्रवाई हुई, तो उसे नए हथियारों, नए तरीकों और नए मोर्चों पर जवाब दिया जाएगा।

सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा: हम इस देश की सभ्यता और धार्मिक इतिहास नहीं भूल सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने एडवोकेट इंदिरा जयसिंह की दलीलों के जवाब में कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता।

एडवोकेट जयसिंह ने सुनवाई के 10वें दिन कहा कि सबरीमाला मंदिर में एंट्री का फैसला अब भी लागू है। इस पर स्टे नहीं है लेकिन मंदिर में प्रवेश नहीं मिल रहा है।

जयसिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इसकी रिव्यू पिटिशन पर सुनवाई कर रहा है। हालांकि, कोर्ट कभी यह तय नहीं करता कि धर्म में क्या जरूरी है या और क्या नहीं। इसका फैसला तो धर्म ही करता है।

इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टकिल 25 और 26 आए हैं। संविधान और बाकी सब ठीक है लेकिन हमें इतिहास नहीं भूलना चाहिए। आप अतीत को नजरअंदाज करके यह नहीं कह सकते कि यह एक कोरी स्लेट है। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है।

- **कोर्ट बोला- हम धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं:** जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि हम इस भूमि के सभ्यता के विकास और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। आखिर इसी बैकग्राउंड से संविधान के आर्टकिल 25 और 26 आए हैं। संविधान और बाकी सब ठीक है लेकिन हमें इतिहास नहीं भूलना चाहिए। इतिहास ही वर्तमान का निर्माण करता है। आप अतीत को नजरअंदाज करके यह नहीं कह सकते कि यह एक कोरी स्लेट है। इस पर जयसिंह ने कहा कि इस पर डिबेट हो सकती है। यह क्लीन स्लेट है।
- **यह केस धर्मांतरण विरोधी कानून समेत दूसरे मामलों को प्रभावित करेगा:** जयसिंह ने कहा कि यह मुकदमा बेहद अहम है, जिसका उद्देश्य कुछ ऐसा हासिल करना है जो सीधे तौर पर हासिल नहीं किया जा सकता।

गुजरात में छह लोगों की मौत

- **साबरकांठा में बस और वैन की भिड़ंत से हुआ सड़क हादसा**

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के साबरकांठा जिला की सड़कों पर बुधवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग घायल हो गए। यह हादसा साबरकांठा जिला के एक हाईवे पर हुआ। पुलिस के अनुसार, एक निजी बस ने पीछे से एक वैन को जोरदार टक्कर मार दी। वैन में यात्री सवार थे और वह शामलाजी से हिम्मतनगर जा रही थी।

इस मामले में गंभोई पुलिस के इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे में वैन में बैठे 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि तेज रफ्तार बस ने वैन को पीछे से क्यों टक्कर मारी।

तीसरी गर्भावस्था पर भी पूरा मातृत्व अवकाश दें; हाईकोर्ट का तमिलनाडु सरकार को सख्त निर्देश

चेन्नई, एजेंसी। महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसले में मद्रास हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि तीसरी गर्भावस्था के मामले में भी मातृत्व अवकाश देने में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जा सकता। अदालत ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि महिला कर्मचारियों को पहली और दूसरी गर्भावस्था की तरह ही तीसरी बार भी पूरा मातृत्व लाभ दिया जाए।

सरकारी आदेश को ठहराया अनुचित : न्यायमूर्ति आर. सुरेश कुमार और न्यायमूर्ति एन. सेंथिल कुमार की खंडपीठ ने 13 मार्च 2026 के उस सरकारी आदेश पर सवाल उठाया, जिसमें तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश को केवल 12 सप्ताह तक सीमित कर दिया गया था। अदालत ने इसे न केवल अनुचित बल्कि महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण भी माना।

यह फैसला शाइयी निशा की याचिका पर सुनाया गया, जिन्होंने 2 फरवरी 2026 से 1 फरवरी 2027 तक मातृत्व अवकाश की मांग की थी। पहले जिला न्यायाधीश और मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने उनकी मांग को खारिज कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने इन आदेशों को रद्द करते हुए एक सप्ताह के भीतर उनका आवेदन मंजूर करने का निर्देश दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि चाहे पहली, दूसरी या तीसरी गर्भावस्था हो, हर स्थिति में महिला को समान शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए प्रसव पूर्व और प्रसव के बाद देखभाल की जरूरत हर बार समान होती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला

खंडपीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों और अपने ही न्यायालय के निर्णयों के अनुसार मातृत्व लाभ में इस तरह की पाबंदी सही नहीं ठहराई जा सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि कार्यपालिका अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए ऐसा आदेश जारी नहीं कर सकती, जो स्थापित कानूनी सिद्धांतों के खिलाफ हो।

कल्याणकारी राज्य की जिम्मेदारी पर जोर

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि तमिलनाडु सरकार खुद को एक कल्याणकारी राज्य के रूप में प्रस्तुत करती है और महिलाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रही है। ऐसे में मातृत्व अवकाश को सीमित करना सरकार की नीतियों के अनुरूप नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकारी आदेश न्यायालयों के निर्णयों और स्थापित कानून से ऊपर नहीं हो सकते।

25 साल पहले साजिशन की गई छापेमारी मामले में कोर्ट का फैसला, CBI अधिकारी और पूर्व एसीपी को तीन माह की कैद

नई दिल्ली, एजेंसी। तीस हजारी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने दो दशक से अधिक पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) के संयुक्त निदेशक रामनीश और दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त एसीपी वीके पांडे को तीन माह के कारावास सजा सुनाई है। मामला वर्ष 2000 में एक आइआरएस अधिकारी के घर छापेमारी के दौरान मारपीट और अवैध तरीके से प्रवेश करने से जुड़ा है। न्यायिक मजिस्ट्रेट शशांक नंदन भट्ट की अदालत ने दोनों दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत में सजा पर बहस के दौरान यह मामला सामने आया कि 19 अक्टूबर 2000 को सीबीआइ की टीम ने पश्चिम विहार स्थित आइआरएस अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल के घर छापा मारा था। शिकायतकर्ता अशोक कुमार अग्रवाल ने आरोप लगाया था कि टीम ने तड़के सुबह उनके घर में जबरन प्रवेश किया, उनके साथ मारपीट की और गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कानूनी प्रविधानों का उल्लंघन किया। मामले में दोनों अधिकारियों को भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 323 (मारपीट), 427 (नुकसान पहुंचाना) और 448 (आपराधिक अतिक्रमण) के तहत दोषी ठहराया गया।

'राजघाट पर बैठकरर आप नेताओं को चिंतन करना चाहिए', भाजपा में शामिल हुईं स्वाति मालीवाल ने बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाली सांसद स्वाति मालीवाल ने आप की कार्यप्रणाली की आलोचना की। कहा कि आप झूठ व फरेब का उदाहरण बन गई है। अरविंद केजरीवाल को राजघाट पर बैठकर चिंतन करना चाहिए कि आखिर वह करना क्या चाहते हैं? न्याय व्यवस्था और प्रधानमंत्री पर सवाल उठाना और निजी टिप्पणी कर वह किस तरह की राजनीति करना चाहते हैं? मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आप नेताओं की गलत राजनीति से त्रस्त होकर उन्हें आप छोड़ने का निर्णय लेना पड़ा। वह वर्ष 2006 में अरविंद केजरीवाल की संस्था से जुड़कर सामाजिक संघर्ष का रास्ता चुना था। झुग्गियों, गांवों व आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रहकर काम किया और आरटीआइ की लड़ाई लड़ी। महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ी, अनशन किया, लाठियां भी खाईं। पार्टी से लेकर दिल्ली महिला आयोग में की प्रत्येक जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाई।

प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ: मेरे वर्षों के संघर्ष को देखकर पार्टी ने राज्यसभा भेजा लेकिन कुछ ही महीनों बाद केजरीवाल के निजी सहायक ने उनके साथ मारपीट की। उन्हें बदनाम किया गया और संसद में बोलने के लिए पार्टी ने मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। अमित शाह के रूप में देश को एक दृढ़ और निर्णायक गृह मंत्री मिले हैं।

नारी शक्ति वंदन विधेयक पर दिल्ली में भाजपा का मशाल जुलूस, विपक्ष पर महिला विरोधी राजनीति का आरोप लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक को लोकसभा में समर्थन नहीं देने वाले विपक्षी पार्टियों के विरुद्ध भाजपा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कनाट प्लेस में मशाल जुलूस निकाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने घर परिवार की महिलाओं से आगे विपक्ष को कुछ दिखाई नहीं देता जिसके चलते साधारण महिला चुनाव नहीं लड़ सकती हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विपक्षी दलों का महिला विरोधी चेहरा पूरी तरह उजागर हो गया हैं। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि विधेयक को पास कराने के लिए विपक्ष का सहयोग चाहिए था लेकिन नहीं दिया। सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि नारी शक्ति का अब अपमान हिंदुस्तान नहीं सहने वाला है। सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि आज जो हम लडाई लड़ रहे हैं वह सिर्फ इसलिए है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को यह लडाई ना लड़नी पड़े। विधायक शिखा राय ने कहा कि यह विधेयक महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ो की सीढ़ी थी। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि अगर महिलाओं के लिए संसद में आरक्षण बढ़ेगा, तो उनकी आवाज़ भी मजबूत होगी। प्रदर्शन भाजपा की महिला विधायक, पार्षद, पदाधिकारी व अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

दिल्ली विधानसभा में गूंजा बेसहारा गायों का मुद्दा, सड़क जाम और हादसों पर विधायकों की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़कों पर बेसहारा गायों के जमावड़े से जनता ही नहीं, विधायक भी परेशान हैं। मंगलवार को विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के दौरान विशेष उल्लेख (नियम संख्या 280) के तहत अनेक विधायकों ने यह मुद्दा उठाया। विधायक श्याम शर्मा, कुलवंत राणा एवं हरीश खुराना ने इस पर प्रमुखता से अपनी बात रखी। उनका कहना था कि सड़कों पर जहां तहां बेसहारा गायों का झुंड देखने को मिल जाता है। दिन में यह झुंड ट्रैफिक जाम की वजह बनता है और रात के अंधेरे में हादसों का सबब। इन विधायकों का कहना था कि उनके कार्यालय में भी हर रोज इस संदर्भ में शिकायतें आती रहती हैं। इन सभी विधायकों की ओर से इस समस्या का गंभीरता से कोई निदान निकालने की मांग भी की गई। मांडल टाउन से विधायक अशोक गोयल ने अपने विधानसभा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की उपलब्धता का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि खुलेआम नशे का कारोबार बढ़ रहा है और पुलिस भी इस पर लगाम नहीं लगा पा रही। ग्रेटर कैलाश से विधायक शिखा राय ने खिड़की एक्सटेंशन और प्रेस एनक्लेव के बीच ट्रैफिक जाम का मुद्दा उठाया।

गंगा एक्सप्रेसवे पर रनवे सा एहसास: स्मार्ट कंट्रोल रूम, मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6 घंटे में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-नोएडा से प्रयागराज की दूरी को कम करने वाले बहुप्रतिक्षित गंगा एक्सप्रेसवे को बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम जनता को सौंप देंगे। 594 किलोमीटर लंबे और 6 लेन वाली गंगा एक्सप्रेस की अनुमानित लागत करीब 36,402 करोड़ रुपये बताई जा रही है। स्मार्ट कंट्रोल रूम वाली सुविधा के साथ इस एक्सप्रेसवे पर ड्राइविंग के दौरान नींद की झपकी आने पर जगाने वाले फीचर का भी ध्यान रखा गया है। गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज समेत कई जिलों से होकर गुजर रहा है। इससे इन संबंधित जिलों के लोगों को आवाजाही में आसानी तो होगी साथ ही रोजगार के भी नए अवसरों की राह खुलेगी। इस एक्सप्रेसवे पर देश में पहली बार ट्रॉमा सेंटर की सुविधा भी मिलेगी।

कई एक्सप्रेसवे से दूरी करेगा कम: दावा किया जा रहा है कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक की दूरी और समय दोनों को आधा कर देगा। जहां पहले यही दूरी तय करने में 10 से 12 घंटे लगते थे। वहीं, अब यह लंबा सफर महज 5 से 6 घंटे में पूरा होगा। इस एक्सप्रेसवे का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, जेवर लिंक एक्सप्रेसवे एवं नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाले मार्ग को जोड़ रहा है। साथ ही, हरिद्वार की कनेक्टिविटी को भी आसान बनाएगा।

औद्योगिक और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा: गंगा एक्सप्रेसवे सिर्फ यात्रियों की दूरी को ही कम नहीं करेगा यह रोजगार के अनेक अवसर भी मुहैया कराएगा। इसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। इसके किनारे 12 औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित करने की योजना है, जिनमें लगभग 47,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

भविष्य में किया जा सकेगा 8 लेन: यही कारण है कि इसकी चौड़ाई भविष्य में बढ़ाकर 8 लेन भी की जा सकती है। आशा जताई जा रही है कि इससे उद्योग, कृषि, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्रों को बड़ा फायदा होगा। ऐसे में आने वाले समय में यह आर्थिक ढांचे की रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने का काम करेगा।

आधुनिक सुविधाओं से लैस एक्सप्रेसवे: गंगा एक्सप्रेसवे को आधुनिक तकनीक से तैयार किया गया है। इसमें स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, आपातकालीन सेवाएं, कैमरा निगरानी और एयरस्ट्रिप जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यही नहीं शाहजहांपुर में बने 3.5 किमी लंबे रनवे पर आपात स्थिति में लड़ाकू विमान भी उतर सकेंगे। इसीलिए मेरठ, हापुड़, बदायूं, शाहजहांपुर, उन्नाव, प्रयागराज समेत 12 जिलों को जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे उद्योग, रोजगार, पर्यटन और आस्था का नया कॉरिडोर गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश को विकास के एक्सप्रेसवे पर तेजी से आगे ले जाने वाला प्रोजेक्ट कहा जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर कितना लगेगा टोल टैक्स: गंगा एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली गुरुवार 12 बजे से शुरू होने जा रही है। टोल दरें प्रति किलोमीटर के हिसाब से तय की गई हैं। वाहनों की एंट्री व एग्जिट प्वाइंट के आधार पर फास्टैग से स्वतः कटौती होगी।

टू-व्हीलर, थ्री-व्हीलर और ट्रैक्टर के लिए 1.28 रुपये प्रति किमी: कार, जीप, वैन और हल्के मोटर वाहन के लिए 2.50 रुपये प्रति किमी लाइट कॉमर्शियल वाहन, मिनी बस आदि के लिए 4.05 रुपये प्रति किमी बस और ट्रक के लिए 8.20 रुपये प्रति किमी जगह-जगह रंबल स्ट्रिप्स लगाने से क्या है लाभ?

चालक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क पर जगह-जगह रंबल स्ट्रिप्स (उभरी पट्टियां) लगाई गई हैं। ये स्ट्रिप्स वाहन के गुजरते ही कंपन पैदा करती हैं, जिससे यदि चालक को नींद या झपकी आ रही हो तो वह तुरंत सतर्क हो सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाए। ऐसे में उम्मीद है कि आए दिन लंबी दूरी तय करते समय नींद या झपकी आने पर होने वाले हादसे इस एक्सप्रेसवे पर नहीं होंगे। गंगा एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के क्या हैं इंतजाम? यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए पूरे एक्सप्रेसवे पर हर एक किलोमीटर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो एक केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से जुड़े होंगे। किसी भी वाहन के रुकने या दुर्घटना होने की स्थिति में तुरंत सूचना मिल जाएगी और संबंधित टीम मौके पर पहुंचकर सहायता करेगी। इसके अलावा, हर 10 किलोमीटर पर स्पीड मानिटरिंग सिस्टम स्थापित किया गया है।

दिल्ली में 142 अतिथि शिक्षकों पर कार्रवाई का विरोध, जीएसटीए ने शिक्षा मंत्री से की हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के संगठन राजकीय विद्यालय शिक्षक संघ (जीएसटीए) ने 142 अतिथि शिक्षकों के खिलाफ प्रस्तावित सेवा समाप्ति की कार्रवाई का विरोध करते हुए शिक्षा मंत्री आशीष सूद से हस्तक्षेप की मांग की है। जीएसटीए के महासचिव अजय वीर यादव ने इस संबंध में शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर कहा कि जिला मजिस्ट्रेट (पुरानी दिल्ली) द्वारा पत्र में 142 अतिथि शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी में जाने से मना करने के आधार पर हटाने की सिफारिश की गई है।

संगठन का कहना है कि ये सभी शिक्षक वार्षिक अनुबंध पर कार्यरत हैं, जिनका वर्तमान कार्यकाल आठ मई 2026 को खुद ही समाप्त होने वाला है। ऐसे में अनुबंध की स्वाभाविक समाप्ति से ठीक पहले कठोर कार्रवाई करना अनुचित और असंगत है। पत्र में यह भी कहा गया है कि जनगणना ड्यूटी के दौरान अतिथि शिक्षकों को संसाधनों की कमी और बेहद कम पारिश्रमिक जैसी व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। संगठन ने दावा किया कि पिछले लगभग आठ वर्षों से उनके दैनिक मानदेय में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जिससे वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि बेहद अपर्याप्त हो गई है और आने-जाने जैसे बुनियादी खर्च भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं। जीएसटीए ने स्पष्ट किया कि अतिथि शिक्षकों का जनगणना न करने का निर्णय जानबूझकर अनुशासनहीनता नहीं था, बल्कि परिस्थितियों से मजबूर होकर लिया गया कदम था।

कार्रवाई तुरंत वापस लेने की मांग: संगठन ने अपनी मांगों में कहा है कि 142 अतिथि शिक्षकों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई तुरंत वापस ली जाए।

दिल्ली में बिना हेलमेट की सवारी बन रही मौत का सबब, 15 अप्रैल तक 188 बाइकर्स की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है, जो अब गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। लोग अपनी सुरक्षा को नजरअंदाज करते हुए बेखौफ सड़कों पर मोटरसाइकिल और स्कूटी दौड़ा रहे हैं। हालात यह हैं कि कई वाहन चालक न सिर्फ बिना हेलमेट सफर कर रहे हैं, बल्कि चलते वाहन पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए भी नजर आते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस वर्ष 15 अप्रैल तक सड़क हादसों में 188 दोपहिया वाहन चालकों की मौत हो चुकी है। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अधिकांश मामलों में चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था। सिर्फ चालक ही नहीं,

बल्कि अन्य लोग भी इस लापरवाही का शिकार हो रहे हैं। इसी अवधि में लापरवाही से दोपहिया वाहन चलाने वालों की चपेट में आने से 62 लोगों की जान चली गई। इससे साफ है कि बिना हेलमेट और असावधानी से वाहन चलाना न सिर्फ चालक के लिए, बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के लिए भी खतरनाक साबित हो रहा है।

बिना हेलमेट की सवारी पर यातायात पुलिस की कार्रवाई: यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली में बिना हेलमेट वाहन चलाने के बढ़ते चलन को देखते हुए यातायात पुलिस ने भी सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर 15 अप्रैल तक 4.24 लाख चालान काटे जा चुके हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए आगे भी सख्ती जारी रहेगी। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि केवल चालान काटने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता बढ़ाना भी बेहद जरूरी है। जब तक लोग खुद अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक हादसों में कमी लाना मुश्किल होगा।

सड़क सुरक्षा अभियान का भी नहीं दिख रहा असर: यातायात पुलिस द्वारा स्कूल, कॉलेजों, मॉल व अन्य सार्वजनिक जगहों पर सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है।

बिश्केक में रक्षा मंत्री ने की चीनी समकक्ष से मुलाकात, एलएसी पर शांति-पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ पश्चिम एशिया के संकट जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को खुशी जताई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था, जिसे अब सुधारने की कोशिश की जा रही है। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य बातचीत के बाद पूर्वी लद्दाख में कई विवादित जगहों से अपनी सेनाएं पीछे हटाई हैं। अक्टूबर 2024 में डेपसांग और डेमचोक जैसे आखिरी दो विवादित बिंदुओं पर भी सैनिकों को हटाने का समझौता हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कजान में मुलाकात कर रिश्तों को बेहतर बनाने के फैसले लिए थे। पिछले साल अगस्त में पीएम मोदी ने तियानजिन में भी शी जिनपिंग से बात की थी और आपसी विश्वास व सम्मान पर जोर दिया था।

राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री के साथ भी की मुलाकात: इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से भी मुलाकात की। दोनों के बीच एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की सप्लाई सहित कई रक्षा परियोजनाओं पर बात हुई। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था।

इसमें से तीन मिसाइल सिस्टम भारत को मिल चुके हैं। चौथी यूनिट अगले कुछ दिनों में और पांचवीं नवंबर तक मिलने की उम्मीद है। पिछले महीने ही भारत ने रूस से पांच और एस-400 सिस्टम खरीदने को मंजूरी दी है, जिससे इनकी कुल संख्या 10 हो जाएगी।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था।

सियोल हाईकोर्ट ने सजा बढ़ाकर चार साल की: बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया। दंपती की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकर्ताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था। अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति की पत्नी होने के नाते किम देश का प्रतिनिधित्व करती हैं और राष्ट्रपति पर उनका प्रभाव होता है। लेकिन उन्होंने ईमानदारी से काम नहीं किया और अपने प्रभाव का उपयोग करके उपहार प्राप्त किए। किम और स्वतंत्र जांच टीम दोनों के पास अब सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के लिए एक सप्ताह का समय है। जांच टीम ने पहले 15 साल की सजा की मांग की थी। जबकि किम के वकीलों का कहना है कि जांच राजनीतिक रूप से प्रेरित थी।

पिछले साल अगस्त से जेल में हैं किम: किम पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। तब अदालत ने उन्हें सबूत नष्ट करने की आशंका के कारण गिरफ्तार करने का वारंट जारी किया था। अपने कार्यकाल के दौरान भी किम कई विवादों में घिरी रहीं, जिससे राष्ट्रपति की लोकप्रियता प्रभावित हुई। तीन दिसंबर 2024 को यून ने अचानक मार्शल लॉ लगा दिया था और संसद पर सैनिकों और पुलिस को भेज दिया । उन्होंने कहा था कि वह 'देश विरोधी ताकतों' और 'उत्तर कोरिया समर्थकों' को खत्म करना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदम: मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स का लगाने का प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा भुगतान

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का ऐसा दूसरा प्रयास: यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले 2021 में लागू किए गए समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता के जरिए भी कंपनियों पर दबाव बनाया गया था। उस समय प्लेटफॉर्म्स ने मध्यस्थता से बचने के लिए समाचार संस्थानों के साथ व्यावसायिक समझौते किए थे, ताकि कोई जज उनकी कीमत तय न करे। लेकिन बाद में इन कंपनियों ने उन समझौतों को नवीनीकृत करने से बचने के लिए अपने प्लेटफॉर्म्स से समाचार सामग्री हटाना शुरू कर दिया।

क्या है समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन: अब सरकार 'समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन' नाम से नया प्रावधान ला रही है। इसके तहत जो बड़ी डिजिटल कंपनियां समाचार संस्थानों के साथ समझौता नहीं करेंगी, उन पर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली उनकी कुल कमाई का 2.25% टैक्स लगाया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कंपनियां पत्रकारिता के लिए भुगतान करने पर सहमत होती हैं, तो उन्हें टैक्स में छूट दी जाएगी, जिससे उनका कुल आर्थिक बोझ कम हो जाएगा। सरकार का अनुमान है कि इस योजना के जरिए हर साल 200 से 250 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 144 से 179 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि जुटाई जा सकती है। यह वही स्तर है, जितना भुगतान प्लेटफॉर्म्स ने उस समय किया था जब समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता अपने चरम पर था। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने बताया कि इस राशि को समाचार संगठनों के बीच उनके यहां काम करने वाले पत्रकारों की संख्या के आधार पर वितरित किया जाएगा।

कंपनियों ने किया कड़ा विरोध: यह टैक्स मेटा प्लेटफॉर्म , गूगल और टिकटॉक पर लागू होगा। इस प्रस्ताव का इन कंपनियों ने कड़ा विरोध किया है। मेटा ने कहा कि समाचार संस्थान अपनी इच्छा से उनके प्लेटफॉर्म पर सामग्री साझा करते हैं क्योंकि उन्हें इससे फायदा होता है।

जबरन संपत्ति हस्तांतरण जैसा- मेटा: कंपनी ने बयान में कहा कि यह कहना गलत है कि हम उनकी खबरें ले लेते हैं। यह प्रस्ताव वास्तव में एक डिजिटल सर्विस टैक्स है।

श्रीलंका चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू, एबीसी लाइसेंस पर एफसीसी का फैसला- समीक्षा का आदेश जारी

कंपाला, एजेंसी। युगांडा के अधिकारियों ने अवैध प्रवासन और मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीयों सहित 231 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान सोमवार से शुरू हुआ। इसमें उत्तरी युगांडा में रह रहे नाइजीरियाई नागरिकों और राजधानी कंपाला के एक बंद परिसर में रह रहे विदेशियों को निशाना बनाया गया। कंपाला के जिस परिसर में छापेमारी हुई, वहां 169 लोग मिले, जिनमें 36 महिलाएं थीं। इस समूह में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, घाना, म्यांमार, इथियोपिया, श्रीलंका, कंबोडिया और मलेशिया के नागरिक शामिल हैं। यह परिसर पूरी तरह से प्रतिबंधित था और इसमें अपनी खुद की रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं थीं, ताकि लोगों की आवाजाही को सीमित रखा जा सके। जांच में पता चला कि कई लोगों के पास पासपोर्ट नहीं थे। कुछ ने दावा किया कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर युगांडा लाया गया था, जबकि कुछ लोग साइबर ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए। मंत्रालय के प्रवक्ता साइमन पीटर मुंडेयी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जिनमें- तस्करी के शिकार लोग, तस्करी करने वाले मुख्य आरोपी और वे लोग जो बिना वीजा के रह रहे थे। कानून तोड़ने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। तस्करी के शिकार और वीजा अवधि खत्म होने वाले लोगों को टिकट खरीदकर देश छोड़ने में मदद की जाएगी।

जो बना था सिरदर्द, वही अब बनेगा कमाई का हथियार

खेतों में बायोचार का कमाल बढ़ेगी उर्वरता, संवर जाएगा पर्यावरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्राम पंचायत उड़ैसा में बुधवार को मध्य प्रदेश राज्य आजीविका मिशन जिला पंचायत सीधी एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के सहयोग से संचालित हरित भारत फंड परियोजना के अंतर्गत दो दिवसीय बायोचार निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया यह प्रशिक्षण जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी एवं जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हैदराबाद से आई प्रशिक्षक डॉ. देवर्ती चक्रवर्ती ने जंगलों और खेतों में पाए जाने वाले लैंटाना (गुलमेंहदी) एवं बांस से बायोचार निर्माण की तकनीक पर 30 महिला उत्पादक समूहों के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया डॉ. चक्रवर्ती ने बताया कि लैंटाना, जो अब तक किसानों के लिए सिरदर्द बना हुआ था, उससे उच्च गुणवत्ता का बायोचार तैयार कर आय का साधन बनाया जा सकता है। उन्होंने कोन-टिकी विधि के माध्यम से बायोचार निर्माण का सजीव प्रदर्शन भी किया जिसे प्रशिक्षणार्थियों ने व्यवहारिक रूप से सीखकर अपनाने की रुचि दिखाई उन्होंने बताया कि बायोचार का उपयोग मुख्यत: मृदा स्वास्थ्य सुधारने में किया जाता है। इसे जैविक कंपोस्ट खाद में मिलाकर प्रयोग करने से मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ती है जल धारण क्षमता में सुधार होता है तथा सूक्ष्मजीवों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होता है। यह रासायनिक उर्वरकों का एक प्रभावी विकल्प भी है और कार्बन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में सहायक है इस अवसर पर ग्राम पंचायत उड़ैसा की सरपंच रेश्मि गुप्ता ने ग्रामीणों से बायोचार के उपयोग को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह नवाचार न केवल गांव बल्कि पूरे जिले के लिए लाभकारी सिद्ध होगा और मृदा स्वास्थ्य सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कार्यक्रम में हरित भारत फंड परियोजना के परियोजना प्रबंधक हिमांशु भारद्वाज, सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट स्वामीशरण कुशवाहा सहित चन्द्रशेखर लौहार, राजीव जायसवाल, राजबहोर दीवान, आशीष वर्मा, समिति दास, विश्वजीत दास, मान सिंह, सुनीता सिंह, सावित्री सिंह, अनीता गुप्ता, पार्वती पनिका, कलावती, प्रेमवती, राधा, मुन्नी बाई सहित महिला उत्पादक समूहों की सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन स्वामीशरण कुशवाहा द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही पर सख्ती 3 की सेवाएं समाप्त, 2 को सेवा समाप्ति का नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ऑनलाइन रिपोर्टिंग में सुधार को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने पर तीन आउटसोर्स डाटा एंट्री ऑपरेटरों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं वहीं दो अन्य को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी किया गया है सेवाएं समाप्त किए गए कर्मियों में रजनीश सिंह चौहान एवं अरविन्द रावत के माध्यम से आउटसोर्स आधार पर की गई थी वहीं राजमणि चर्मकार (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन) एवं रामसुरेश धोबी (सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया) को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सेवा समाप्ति की चेतावनी दी गई है इन सभी कर्मियों को मातृ स्वास्थ्य शिशु स्वास्थ्य एनसीडी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की ऑनलाइन/ऑफलाइन रिपोर्टिंग एवं अन्य कार्यों का दायित्व सौंपा गया था। बावजूद इसके, इनके द्वारा कार्यों में लगातार लापरवाही बरती गई और रिपोर्टिंग अत्यंत कम पाई गई, जिससे जिले की प्रगति राज्य एवं वरिष्ठ स्तर की समीक्षाओं में असंतोषजनक रही बताया गया कि यह विषय मुख्य सचिव स्तर की समीक्षा बैठक के एजेंडा में भी शामिल रहा जहां जिले की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की गई। इसके बावजूद संबंधित कर्मियों द्वारा कार्य में कोई सुधार नहीं किया गया जिला एवं ब्लॉक स्तर की समीक्षा बैठकों तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद न तो कार्यों में अपेक्षित रुचि दिखाई गई और न ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन किया गया लगातार लापरवाही को देखते हुए तीन कर्मियों की सेवाएं 29 अप्रैल 2026 से समाप्त कर दी गई हैं वहीं दो अन्य कर्मियों को संविदा मानव संसाधन मैन्युअल 2025 की कंडिका 11.1 एवं 18.5 के तहत 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उनकी सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यों में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

बाल कल्याण समिति सदस्य का नाबालिगों संग धरना

रेलवे कार्य रोकने की मांग पर तहसीलदार से तीखी बहस, आत्मदाह की चेतावनी वीडीयो

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र में मंगलवार दोपहर रेलवे निर्माण कार्य को लेकर विवाद हो गया बाल कल्याण समिति की सदस्य और अधिवक्ता रंजना मिश्रा ने नाबालिग बालिकाओं के साथ धरना प्रदर्शन किया उन्होंने रेलवे कार्य रोकने की मांग करते हुए सड़क निर्माण न होने पर आत्मदाह की चेतावनी दी। घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है विवाद उस स्थान पर हुआ जहां रेलवे लाइन निर्माण के कारण पुरानी सड़क तोड़ दी गई है रंजना मिश्रा बोली-निर्माण नहीं हुआ तो मैं आत्मदाह कर लूंगी इसके स्थान पर एक नई अप्रोच सड़क बनाई जा रही है, जो अभी अधूरी है। प्रदर्शनकारी इसी अधूरी सड़क के निर्माण को लेकर विरोध कर रहे थे। धरने के दौरान रंजना मिश्रा ने कहा यदि जल्द सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो मैं और हम सब आत्मदाह कर लेंगे उसके बाद हमारी लाशों के ऊपर से रेलवे का काम किया जाए।' उनके इस बयान से मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई इस प्रदर्शन में नाबालिग की उपस्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं बाल संरक्षण से जुड़े पद पर रहते हुए बच्चों को विरोध प्रदर्शन में शामिल करना नियमों के खिलाफ माना जा रहा है। इस मुद्दे पर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है।

मौके पर पहुंचे तहसीलदार से तीखी बहस: सूचना मिलने पर रामपुर नैकिन के तहसीलदार आशीष मिश्रा मौके पर पहुंचे वहां रंजना मिश्रा और तहसीलदार के बीच तीखी बहस हुई रंजना मिश्रा ने आरोप लगाया कि उन्हें सड़क निर्माण के संबंध में गलत जानकारी दी गई थी तहसीलदार आशीष मिश्रा ने स्पष्ट किया कि रेलवे कार्य नियमानुसार जारी रहेगा और किसी भी प्रकार का अनैतिक दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा उन्होंने यह भी कहा कि यह विरोध व्यक्तिगत हितों से प्रेरित प्रतीत होता है और प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। तहसीलदार ने आश्वासन दिया कि मामले की रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उल्लास कार्यक्रम में सुस्ती पर प्रशासन सख्त 5 समन्वयकों को नोटिस, वेतन रोकने की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले को पूर्ण साक्षर बनाने के लक्ष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी नव भारत साक्षर योजना के तहत संचालित उल्लास कार्यक्रम में अपेक्षित प्रगति न होने पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए पांच विकासखंड सह समन्वयकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार विनोद कुमार दुबे (सीधी), विकास कुमार तिवारी (मझौली), राजू सिंह (रामपुर नैकिन), आर.एस. साहू (सिहावल) एवं सिद्धनारायण दुबे (कुसमी) से उनके कार्यों का विस्तृत विवरण मांगा गया है। उनसे पूछा गया है कि उन्होंने योजना के अंतर्गत कब कहां और क्या गतिविधियां संचालित कीं उल्लेखनीय है कि उल्लास कार्यक्रम 01 अप्रैल 2022 से संचालित है जिसका उद्देश्य वर्ष 2027 तक जिले को पूर्ण साक्षर बनाना है कलेक्टर द्वारा लगातार गांव-स्तर पर चौपाल लगाकर जनसमस्याओं का निराकरण किया जा रहा है लेकिन इसके बावजूद साक्षरता अभियान का प्रभाव जमीनी स्तर पर नजर नहीं आना प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। आमजन तक योजना की जानकारी नहीं पहुंचना अत्यंत आपत्तिजनक माना गया है नोटिस में स्पष्ट उल्लेख है कि संबंधित अधिकारियों का यह आचरण कर्तव्य के प्रति अपेक्षित निष्ठा एवं जिम्मेदारी के विपरीत है जो मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 तथा म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 का उल्लंघन है सभी संबंधित समन्वयकों को तीन दिवस के भीतर समाधानकारक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक उत्तर न मिलने पर वेतन भुगतान पर रोक लगाते हुए कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दे दिया है।

बंधक एवं बाल श्रम उन्मूलन हेतु 4 मई को दो महत्वपूर्ण बैठकें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में श्रम शोषण की कुप्रथाओं के उन्मूलन एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 04 मई 2026 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया जा रहा है दोनों बैठकें साप्ताहिक समय-सीमा (टी.एल.) बैठक के पश्चात कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित होंगी सहायक श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बाल एवं किशोर श्रम प्रथा के उन्मूलन हेतु गठित जिला टास्कफोर्स समिति की बैठक प्रात: 11.30 बजे आयोजित की जाएगी। इस बैठक में बाल श्रम से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर उनके प्रभावी निराकरण एवं रोकथाम के लिए आवश्यक रणनीति तय की जाएगी इसके पश्चात बंधक श्रम प्रथा उन्मूलन अधिनियम, 1976 के अंतर्गत गठित सतर्कता समिति की बैठक प्रात: 11.45 बजे आयोजित होगी। इस बैठक में बंधुआ मजदूरी से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निराकरण हेतु दिशा-निर्देश दिए जाएंगे जिला प्रशासन द्वारा इन बैठकों के माध्यम से श्रम संबंधी समस्याओं के समाधान, निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने तथा प्रभावित व्यक्तियों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

एक दिवसीय 'युवा संगम' रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन 30 अप्रैल को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को एक ही स्थान पर रोजगार एवं स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सीधी के संयुक्त तत्वावधान में 30 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा यह मेला शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर नैकिन परिसर में प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर की निजी कंपनियों के साथ-साथ स्व-रोजगार से जुड़े विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे जहां युवाओं को रोजगार के अवसरों के साथ विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मेले में 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं स्नातक स्नातकोत्तर आईटीआई डिप्लोमा एवं बीई/बी-टेकमैकेनिकल योग्यता वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसके साथ ही युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं ऋण सुविधाओं एवं प्रशिक्षण संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें रोजगार मेले में ग्लोबल मैनपावर सर्विसेज स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्रा. लि., सिनसुजा माइक्रो क्रेडिट प्रा. लि., के.के. इंटरप्राइजेज, बजाज ऑटो प्रा. लि., आदित्य बिरला प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. एससीएन ग्लोबल प्रा. लि., एसआईएस सिक्योरिटी सर्विसेज सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी।

वाहन अनियंत्रित 11 केवी लाइन से टकराया, आग लगी जिंदा जला ड्राइवर, टिकरी-महुआगांव मार्ग पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वाहन अनियंत्रित 11केवी लाइन से टकरा गया जिससे उसमें आग लग गई हादसे में ड्राइवर जिंदा जल गया सीधी जिले के टिकरी-महुआगांव मार्ग पर एक बलकर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। यह वाहन 11 केवी विद्युत लाइन से टकरा गया जिससे उसमें आग लग गई इस हादसे में वाहन चालक जिंदा जल गया। घटना बुधवार शाम करीब 4 बजे जंगल क्षेत्र में हुई **निगरी प्लांट से राखड़ लेने जा रहा था वाहन:** जानकारी के अनुसार, वाहन निगरी प्लांट से राखड़ लेने जा रहा था। पलटने के बाद जैसे ही वह बिजली तार के संपर्क में आया वाहन में भीषण आग लग गई। चालक को संभलने या बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बहरी थाना क्षेत्र के ग्राम बहेरा निवासी फूलचंद कोल के रूप में हुई है। वह निगरी प्लांट से राखड़ परिवहन का कार्य करता था यह हादसा जंगल के बीचों-बीच हुआ जिसके कारण घटना की जानकारी तुरंत किसी को नहीं मिल पाई काफी देर बाद एक राहगीर संतोष यादव ने जलते वाहन का वीडियो बनाकर साझा किया जिसके बाद यह मामला सामने आया हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आने से आग की आशंका सूचना मिलने पर टिकरी चेक पोस्ट प्रभारी प्रमोद द्विवेदी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने और हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आने से आग लगने की आशंका है वाहन के अनियंत्रित होने के कारणों की जांच की जा रही है घटनास्थल पर चालक का शव पूरी तरह जल चुका था जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था।

बकवा, कठौली, हनुमानगढ़ एवं चंदवाही में 2 मई को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं जारी आदेशानुसार 02 मई 2026 को प्रात: 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें धौहनी विधानसभा के ग्राम पंचायत बकवा, सीधी विधानसभा के ग्राम पंचायत कठौली, चुरहट विधानसभा के ग्राम पंचायत हनुमानगढ़ तथा सिहावल विधानसभा के ग्राम पंचायत चंदवाही शामिल हैं इन शिविरों में नोडल अधिकारी के रूप में संबंधित क्षेत्र के सीडीपीओ एवं बीएमओ की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है शिविरों में महिला एवं बाल विकास स्वास्थ्य विभाग सामाजिक न्याय तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को समेकित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें निर्देशानुसार शिविरों का आयोजन ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा अन्य उपलब्ध शासकीय भवनों में किया जाएगा। साथ ही, इन शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु ग्राम पंचायतों में मुनादी कराई जाएगी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इसकी जानकारी दी जाएगी शिविर में आने वाले नागरिकों को आधार एवं समग्र आईडी साथ लाने हेतु प्रेरित किया जाएगा। पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का भी प्रयास किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शिविर के दौरान नशा मुक्ति एवं जनगणना से संबंधित शपथ दिलाना भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

न्यायालय परिसर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं की दी गई जानकारी, आमजन को किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन में विधिक जागरूकता बढ़ाने और न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से न्यायालय परिसर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया यह शिविर मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ कार्यक्रम में द्वितीय जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनीष कुमार श्रीवास्तव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कपिल देव काछी जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शविर का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों तक विधिक जानकारी पहुंचाना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना रहा। इस दौरान उपस्थित नागरिकों को बताया गया कि आर्थिक या सामाजिक स्थिति चाहे जैसी भी हो हर व्यक्ति को न्याय प्राप्त करने का अधिकार है और इसके लिए नि:शुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था उपलब्ध है अधिकारियों ने शिविर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की विभिन्न योजनाओं प्रावधानों और सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। विशेष रूप से राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इसके माध्यम से लंबित मामलों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान किया जा सकता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है इसके अलावा घरेलू हिंसा से जुड़े कानूनों, सुलह-समाधान की प्रक्रिया, आपराधिक मामलों में नि:शुल्क विधिक सहायता पीड़ित प्रतिकर योजना तथा दिव्यांगजनों के अधिकारों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित लोगों को यह भी बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से कमजोर है महिला है बच्चा है या दिव्यांग है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की जाती है शिविर में अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या आने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करें। साथ ही, लोगों को यह भरोसा दिलाया गया कि न्यायालय और विधिक सेवा संस्थाएं आम नागरिकों की सहायता के लिए सदैव तत्पर हैं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने विभिन्न कानूनी विषयों पर प्रश्न पूछे जिनका अधिकारियों द्वारा सरल और सहज भाषा में समाधान किया गया इस पहल को लोगों ने सराहा और इसे समाज में न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह शिविर न केवल विधिक जानकारी का माध्यम बना बल्कि समाज में न्याय के प्रति विश्वास और जागरूकता को भी मजबूत करने में सहायक सिद्ध हुआ। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक न्यायिक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

ग्राम सभाओं के माध्यम से श्रम जागरूकता अभियान तेज

योजनाओं की जानकारी के साथ समस्याओं का त्वरित निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में श्रमिक वर्ग को जागरूक बनाने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से ग्राम सभा एवं वार्ड सभाओं का नियमित आयोजन किया जा रहा है राज्य शासन के निर्देशानुसार आयोजित इन सभाओं में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें सहायक श्रम पदाधिकारी ने बताया कि इन बैठकों के दौरान श्रमिकों को विशेष रूप से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही श्रम कानूनों के प्रावधान, न्यूनतम वेतन अधिकार तथा बाल एवं बंधुआ श्रम निषेध से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को उनके कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं से जोड़ना है ताकि वे योजनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकें और शोषण से बच सकें। सभाओं में उपस्थित अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याएं भी सुनी जा रही हैं और उनका मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है जिला प्रशासन ने सभी ग्राम पंचायतों एवं क्लस्टर के नागरिकों से अपील की है कि वे इन ग्राम सभाओं में सक्रिय रूप से भाग लें।

दबाव से परे ईरान

संपादकीय

भारत इस स्थिति में अवश्य है कि वह दोनों पक्षों में कोई बीच-बचाव कर सकता है, पर वह अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखा रहा है। चूंकि वह होर्मुज बाधित होने से कहीं अधिक प्रभावित है, इसलिए उसे अमेरिका-ईरान के बीच गतिरोध तोड़ने की संभावना टटोलनी चाहिए।

अमेरिका-ईरान में दूसरे दौर की वार्ता को लेकर व्याप्त अनिश्चितता के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री ने जिस तरह यह कहा कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना मुख्य मुद्दा है, उससे यही स्पष्ट हुआ कि उनकी प्राथमिकता बदली है। अभी तक अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन के साथ उसके मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करने और परमाणु हथियार बनाने की योजना का परित्याग करने पर जोर दे रहा था।

अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च शासक खामेनेई के मारे जाने से वहां नेतृत्व तो बदल गया, पर सत्ता परिवर्तन फिर भी नहीं हो पाया। इसके बाद भी अब अमेरिका इसकी जरूरत नहीं जता रहा है। उसने ईरान के मिसाइल कार्यक्रम की भी अनदेखी कर जिस प्रकार उसके परमाणु हथियार बनाने के इरादे को मुख्य मुद्दा बताया, उससे यही लगता है कि वह इसी मसले पर कोई समझौता कर लेना चाहता है।

कठिनाई यह है कि ईरान इस मसले पर बात करने को तैयार नहीं। गत दिवस ही उसके विदेश मंत्री ने कहा था कि यूरेनियम संवर्धन समझौते के बाहर का मुद्दा है। इसका अर्थ है कि अमेरिका जिस मुद्दे को सबसे महत्वपूर्ण कह रहा, ईरान उसे कोई महत्व नहीं दे रहा। ईरानी विदेश मंत्री का यह भी दावा है कि उनके पास परमाणु क्षमता है, लेकिन वे हथियार नहीं बना रहे हैं। इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि ईरान ने नागरिक उपयोग के लिए तय सीमा से कहीं अधिक यूरेनियम संवर्धन कर लिया है। यह सीमा इतनी अधिक है कि वह कुछ ही समय में परमाणु हथियार बना सकता है।

अमेरिका और इजरायल के साथ खाड़ी देश ऐसा कभी नहीं होना देना चाहेंगे। ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना पश्चिम एशिया के साथ विश्व शांति के भी हित में है। उसे होर्मुज पर आधिपत्य जमाने के साथ-साथ परमाणु हथियार बनाने से भी रोका जाना चाहिए। कठिनाई यह है कि अमेरिका ईरान की नाकेबंदी करने के बाद भी उस पर इतना दबाव बनाने में समर्थ नहीं कि वह वार्ता की मेज पर आने को विवश हो।

लगता है इस नाकेबंदी के बाद भी ईरान चोरी-छिपे तेल बेचने में समर्थ है। जो भी हो, अमेरिका ईरान पर दबाव बनाने में इसलिए भी अक्षम है, क्योंकि उसने जिस पाकिस्तान को मध्यस्थता सौंपी है, वह केवल संदेशों का आदान-प्रदान ही कर सकता है। ईरान पर जो देश दबाव बना सकते हैं, वे हैं चीन और रूस।

मतदान बढ़ने से उलझे समीकरण

सुरेश हिंदुस्तानी

पश्चिम बंगाल में भारी मतदान से यह तो तय हो चुका है कि मतदाता चुनाव का महत्व समझ चुका है। लेकिन इससे राजनीतिक दलों को हिसाब लगाने में पसीना बहाना पड़ रहा है। सबके गणित उलझ गए हैं। पहले चरण में 92 प्रतिशत मतदान जहाँ एक ओर राजनीतिक दलों के लिए चिंता की लकीर खींच रहा है, वहीं एक राजनीतिक लाभ देने का भी संकेत करने वाला भी कहा जा रहा है। इस बार के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा बहुत पहले से पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के लिए कदम उठा रही थी। पिछले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से भाजपा ने अपना राजनीतिक प्रभाव जमाया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। यही आंकड़े तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए खतरे की घंटी बजाते हुए दिखाई देने लगे हैं। ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि उनके सामने अपनी राजनीतिक साख बचाने की मज़बूरी है। राजनीतिक आकलन किया जाए तो यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि ममता केवल और केवल पश्चिम बंगाल तक ही अपना राजनीतिक प्रभाव रखती हैं, अगर किसी कारण से पश्चिम बंगाल भी उनके हाथ से निकल जाता है, तो तृणमूल कांग्रेस को अपना जनाधार स्थापित करने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हालांकि ममता बनर्जी की कार्यशैली को देखकर यह कोई नहीं कह सकता कि वह आसानी से पराजय स्वीकार कर लेंगी। सभी जानते हैं कि वह स्वयं मोर्चा संभाल लेती हैं। एसआईआर के मुद्दे पर हम सभी ने देखा ही है कि वे सर्वोच्च न्यायालय में भी खड़ी हो गई। एक प्रदेश के मुख्यमंत्री का इस तरह मजबूती के साथ खड़ा होने का यह पहला मामला है।

जहाँ तक पश्चिम बंगाल में भविष्य की सरकार बनाने की बात है तो भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के अपने अपने दावे हैं। यह बात भी सही है कि यह दोनों ही राजनीतिक दल मुख्य मुकाबले में हैं। भाजपा के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि उसके राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने प्रभावी रूप से जनता के बीच उपस्थिति दर्ज करवाकर माहौल को अपने पक्ष में करने का भरपूर प्रयास किया, वहीं भाजपा के प्रादेशिक नेताओं ने भी जी तोड़ प्रयास किया। तृणमूल कांग्रेस की ओर से हर जगह ममता बनर्जी की जनसभाओं की ही मांग हो रही थी, जिसे ममता ने पूरा करने का भी प्रयास किया। मतदान प्रतिशत बढ़ने से भाजपा आशान्वित है, वहीं तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के चेहरे से मुस्कान गायब दिखाई दे रही है।

अभी पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का मतदान ही संपन्न हुआ है। बम्पर मतदान के बाद आम जनता में उत्साह की एक नई लहर का प्रादुर्भाव भी हुआ है। जिसके बाद यह भी संभव है कि दूसरे चरण में भी इसकी पुनरावृति होगी। अगर ऐसा होता है तो यह कहना भी तर्कसंगत ही होगा कि इस बार का मतदान बिना भय के संपन्न हो रहा है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का इतिहास रक्तरंजित है। वामपंथी दलों के शासन से लेकर तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय हुए सभी चुनावों में हिंसा होती आई है, लेकिन इस बार के चुनावों में इस प्रकार दृश्य का दिखाई नहीं देना, चुनाव प्रबंधन की कुशलता ही मानी जाएगी। पश्चिम बंगाल में यह साफ दिखाई देने लगा है कि इस बार आम जनता भय मुक्त होकर मतदान करने निकल रही है। मतदान प्रतिशत का बढ़ना भी इसी भयमुक्त वातावरण का ही परिचायक है। प्रायः माना जाता है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी एक सशक्त महिला नेता हैं। आज वे निश्चित रूप से भारतीय राजनीति का एक स्थापित चेहरा हैं। महिला होने के नाते उन्हें महिलाओं की सहानुभूति भी मिलती रही है। लेकिन इस चुनाव में केंद्र भी भाजपा सरकार ने नारी शक्ति को केंद्र मानकर जो वंदन अभियान चलाया, वह भाजपा के लिए एक संजीवनी बनती दिखाई दे रही है। दूसरी प्रमुख बात यह भी है कि तृणमूल कांग्रेस के नेता बांग्लादेशी घुसपैठियों का खुलेआम समर्थन भी करते रहते हैं। कई राजनीतिक विश्लेषक तो यही मानते हैं कि ये बांग्लादेशी घुसपैठिए ममता की सरकार बनाने में मदद करते रहे हैं।

भारत की शक्ति और वैश्विक परिदृश्य-लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स की ताक़त हैं

गोंदिया-वैश्विक स्तरपर भारत आज केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि यह विश्व के लिए आशा,स्थिरता और अवसरों का केंद्र बन चुका है। भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसे केवल एक राष्ट्र की उपलब्धि कहना कम होगा।यह 21वीं सदी के उस नए युग की शुरुआत है यह स्वतंत्रता के 75 से अधिक वर्षों की यात्रा में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि, लोकतंत्र केवल एक शासन पद्धति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा है। इसके साथ ही,भारत की जनसांख्यिकी और विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स ने उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया है, जहां से वह न केवल अपने नागरिकों के भविष्य को संवार सकता है,बल्कि पूरे विश्व के विकास की दिशा भी तय कर सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, यह लेख तीन मुख्यस्तंभों, लोकतंत्र की शक्ति, जनसांख्यिकीय लाभ और स्किल्ड वर्कफोर्स की क्षमता पर आधारित है, जिनकी वजह से भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच हर रिश्ते को विन-विन सिचुएशन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

साथियों बात अगर हम भारत की पहली सबसे बड़ी ताकत की करें तो,भारत दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।1950 में संविधान लागू होने के बाद से आज तक भारत ने चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन, नीति निर्माण और नागरिक अधिकारों को जिस मजबूती से कायम रखा है, वह विश्व के लिए उदाहरण है। लोकतंत्र का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक भागीदारी, न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शी शासन की नींव पर खड़ा है। विविधता में एकता इसका सबसे बड़ा परिचायक है, जहां 22 आधिकारिक भाषाएँ, हजारों बोलियाँ, सैकड़ों धर्म-संप्रदाय और अलग-अलग संस्कृतियाँ होने के बावजूद लोग लोकतांत्रिक रूप से एकजुट रहते हैं। भारत का लोकतंत्र वैश्विक कंपनियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है क्योंकि वे जानती हैं कि यहां नीतियाँ पारदर्शी हैं, कानून का शासन है और निवेशकों के हितों की रक्षा की जाती है।दुनिया के कई हिस्सों में अधिनायकवाद और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती है। अफ्रीकी और एशियाई देशों में सत्ता परिवर्तन अक्सर हिंसा और अराजकता का कारण बनते हैं।इसके विपरीत भारत ने अपने लोकतांत्रिक ढांचे से स्थिरता का माहौल तैयार किया है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी कंपनियाँ भारत को सेफ़ हैवन के रूप में देखती हैं। चीन या रूस जैसे देशों में निवेश करने पर राजनीतिक जोखिम अधिक होता है, जबकि भारत में लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ स्थिर रहें और निवेश सुरक्षित रहे। यह लोकतंत्र की वही शक्ति है जो भारत को अलग पहचान दिलाती है। साथियों बात अगर हम भारत की दूसरी सबसे बड़ी ताक़त की करें तो वह है उसकी जनसांख्यिकी।वर्तमान समय में भारत की आबादी लगभग 1.43 अरब है और इसमें से 65 पेर्सेंट से अधिक लोग 35 वर्ष से कम आयु वर्ग में आते हैं। यह स्थिति भारत को दुनियाँ की सबसे युवा आबादी वाला देश बनाती है। युवा आबादी किसी भी राष्ट्र के लिए ऊर्जा, नवाचार

और विकास का प्रतीक होती है। जब यूरोप और जापान जैसे विकसित देश बूढ़ी होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत के पास एक ऐसा डेमोग्राफिक एडवांटेज है जो उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बना सकता है।भारत की युवा पीढ़ी तकनीक अपनाने में सबसे आगे है। वे न केवल नई तकनीकों को अपनाते हैं बल्कि स्टार्टअप्स और उद्यमिता की ओर भी बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है।मेक इन इंडिया,स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएँ इसी युवा ऊर्जा का परिणाम हैं। यह डेमोग्राफिक डिविडेंड भारत को न केवल घरेलू विकास की दिशा में मजबूत बना रहा है बल्कि विश्व के लिए भी अवसर पैदा कर रहा है।भारत की यह जनसांख्यिकी वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। भारत हर साल लाखों इंजीनियर, डॉक्टर और मैनेजमेंट प्रोफेशनल तैयार करता है। यह वर्कफोर्स पूरी दुनिया की ज़रूरतें पूरी करता है। भारतीय पेशेवर आज अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका तक अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यह युवा आबादी उपभोक्ता बाजार के रूप में भी बेहद आकर्षक है। युवा वर्ग नई तकनीकों, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार है। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ भारत को भविष्य का सबसे बड़ा बाजार मानती हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण शक्ति की करें तो वह है उसका विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स। भारत के पास आज दुनिया का सबसे बड़ा स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स पूल है।आईटी, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग, रिसर्च, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में भारतीयों ने अपनी प्रतिभा से पूरी दुनिया में पहचान बनाई है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर वैश्विक आईटी हब के रूप में उभर चुके हैं। भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स अमेरिकी सिलिकॉन वैली की कंपनियों के लिए रीढ़ की हड्डी बन चुके हैं। हेल्थकेयर के क्षेत्र में भारतीय डॉक्टर और नर्स पूरी दुनिया में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान यह साफ दिखाई दिया कि भारतीय मेडिकल प्रोफेशनल्स की क्षमता कितनी विशाल है।मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया अभियान ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है और भारत में उत्पादन का माहौल तैयार किया है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जिसने लाखों रोजगार पैदा किए हैं। यह स्किल्ड वर्कफोर्स केवल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विकास के लिए भी अहम है। साथियों बातें कर हम इन तीनों कारकों,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स,का संगम भारत को विश्व की बड़ी कंपनियों और सरकारों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की करें तो, जब कंपनियाँ भारत में निवेश करती हैं तो उन्हें स्थिर राजनीतिक माहौल, विशाल उपभोक्ता आधार और प्रतिभाशाली मानव संसाधन तीनों एक साथ मिलते हैं। यही कारण है कि एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और टेस्ला जैसी कंपनियाँ भारत को भविष्य का हब मान रही हैं।भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। यह संबंध वास्तव में परस्पर लाभकारी है। भारत को रोजगार, तकनीक और निवेश मिलता है,जबकि कंपनियों को लागत में कमी, स्थिर वातावरण और विशाल बाजार तक पहुंच मिलती है। इस प्रकार यह रिश्ता विन-विन सिचुएशन का प्रतीक बन जाता है।हालांकि भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। शिक्षा और कौशल मेंअसमानता, आधारभूत ढाँचे की कमी, गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। लेकिन भारत सरकार स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, गति शक्ति योजना और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों से इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने का प्रयास कर रही है। यदि ये प्रयास सफल होते हैं तो भारत अपनी जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स का पूरा लाभ उठा सकेगा।

अंततः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह स्पष्ट है कि भारत की शक्ति तीन स्तंभों पर आधारित है,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स। ये तीनों मिलकर भारत को न केवल विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना रहे हैं, बल्कि इसे एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार भी बना रहे हैं। भारत का विकास मॉडल शून्य-योग नहीं है, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए अवसर पैदा करता है। आने वाले दशकों में जब दुनिया नए संकटों और अवसरों से गुज़रेगी, तब भारत अपनी लोकतांत्रिक ताक़त, युवा ऊर्जा और स्किल्ड वर्कफोर्स के दम पर पूरे विश्व के लिए आशा और सहयोग का केंद्र बना रहेगा। यही भारत की असली पहचान है- एक ऐसा राष्ट्र जो अपने विकास के साथ-साथ पूरे विश्व की प्रगति में योगदान देता है और हर वैश्विक साझेदारी को वास्तविक विन-विन बनाता है। (-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र)

तपती धरती: कारण और समाधान

उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़,ओडिशा व प. बंगाल जैसे राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन राज्यों में कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री से लेकर 44 डिग्री तक पहुंच गया है। पिछले दिनों भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा हीटवेव अलर्ट भी जारी किया जा चुका है। मौसम विभाग ने अपनी चेतावनी में लू चलने और तापमान में 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना को लेकर लोगों को सचेत किया है।

निर्मल रानी

पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल गर्मी के तापमान में इज़ाफ़ा होता ही जा रहा है। जीवन के लिये एकमात्र ग्रह पृथ्वी गत दो दशकों से ग्लोबल वार्मिंग का निरन्तर प्रभाव झेल रही है। इसके अलावा भी वैज्ञानिकों द्वारा भारत में तेज़ गर्मी के और भी कई कई कारण बताये जा रहे हैं। इन कारणों में ख़ासकर जलवायु परिवर्तन के अलावा हीट डोम और अल नीनो प्रभाव को रेखांकित किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उच्च दबाव प्रणाली गर्म हवा को ज़मीन के पास फंसाकर ढक्कन की तरह काम करती है, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है। परिणाम स्वरूप compression heating से गर्मी और तीव्र हो जाती है। उधर पहले से हो रहा जलवायु परिवर्तन, सूखी मिट्टी और कम वनस्पति (वृक्ष कटान) इसे बढ़ावा देते हैं। इसी को हीट डोम प्रभाव कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों से वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। इसने हीटवेव की तीव्रता और इसकी अवधि दोनों को ही बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि 2026 में दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में 92 शहर केवल भारत में हैं। इन गर्म क्षेत्रों में केवल दिन ही नहीं बल्कि यहां की रातें भी गर्म रहती हैं। इसे सीवियर वार्म नाइट कहते हैं। यह स्थिति जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। साथ ही इस हीट वेव पर अल नीनो का प्रभाव भी बताया जा रहा है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि 2026 में सुपर अल नीनो की आशंका से रिकॉर्ड गर्मी

पड़ना भी संभव है। अल नीनो का प्रभाव ही प्रशांत महासागर में गर्म पानी का दौर हवाओं को कमज़ोर कर भारत में गर्मी और कम मानसून लाता है। इसी के साथ गर्मी को बढ़ने में अनियंत्रित शहरीकरण की भी बड़ी भूमिका है। देश में चारों ओर खेत व जंगल वृक्ष निरन्तर कम होते जा रहे हैं। और शहरीकरण के नाम पर कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। लिहाज़ा अर्बन हीट आइलैंड का प्रभाव और कंक्रीट-आधारित विकास इसके लिए ख़ासकर ज़िम्मेदार हैं। यह कंक्रीट के जंगल दिन में गर्मी को सोखते हैं और रात में इसे छोड़ते हैं। उधर शहरों में होती जा रही पेड़-पौधों की कमी से वातावरण में नमी घटती जा रही है। यही वजह है कि दिल्ली व अहमदाबाद जैसे महानगरों में रातें पूर्व की तुलना में 60% अधिक गर्म होने लगी हैं। शहरों में कंक्रीट, डामर और सीमेंट की पक्की इमारतें सूर्य की गर्मी सोख लेती हैं तथा रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान ग्रामीण क्षेत्रों से 5-10 डिग्री अधिक रहता है। पेड़-पौधों और हरियाली की कमी से वाष्पीकरण घटता है, जो प्राकृतिक शीतलन प्रदान करता। साथ ही वाहनों, एसी और उद्योगों से निकलने वाली गर्मी इसे और भी तीव्र बनाती है। गोया भारतीय शहरों में बढ़ता शहरीकरण बढ़ते तापमान के लिये 60% तक ज़िम्मेदार है। और यही तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि करता है। शहरीकरण ने गर्मी में 90% इज़ाफ़ा किया है तथा रात्रिकालीन सतह तापमान लगभग 70-80% तक बढ़ा है। मिसाल के तौर पर जमशेदपुर में शहरीकरण ने तापमान वृद्धि में 100% योगदान दिया।

ऐसे में सबसे ज्वलंत प्रश्न यही है कि आख़िर तापमान वृद्धि की ज़िम्मेदार हमारी वर्तमान पीढ़ी क्या अपनी आने वाली नस्लों को भी ऐसी ही या इससे भी अधिक तपती पृथ्वी देकर जायेगी या इससे बचने के कुछ उपाय करना चाहेगी ? इसके लिये सबसे पहले भारतीय शहरों में हरित आवरण को विस्तार देने की सख़्त ज़रूरत है। हालाँकि इसके लिये अनेक सरकारी योजनाएं व स्थानीय उपाय प्रभावी हैं जोकि शहरी गर्मी कम करने में हमारी सहायता करते हैं। इसके लिये बाक़ायदा कार्य योजना बनाकर तथा वर्षाऋतु के आरंभ से ही सरकारी और नगर निकाय भूमि पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाये जा सकते हैं। कई राज्य इस दिशा में सक्रियता से काम भी कर रहे हैं। वृक्षारोपण को एक आंदोलन का रूप देने के लिये हर व्यक्ति अपने परिवार के शादी ब्याह,मैरिज एनिवर्सरी,बर्थडे, जन्म मृत्यु बरसी जैसे अवसरों पर वृक्षारोपण कर इन अवसरों को यादगार बनाने के साथ साथ जलवायु को बेहतर बनाने की दिशा में भी अपना क़ीमती योगदान दे सकता है। इसके अलावा हर व्यक्ति जहां ज़मीन कम हो वहां अपने घरों की छतों पर रूफ़ गार्डनिंग कर सकता है और वर्टिकल गार्डन भी लगा सकते हैं। अपने घरों के खुले क्षेत्र में अधिक से अधिक गमले लगाकर भी तापमान को काफ़ी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है तथा ताज़ी ऑक्सीजन प्राप्त की जा सकती है। ग़ौरतलब है कि कोरोना काल में जब देशभर में अचानक कोरोना प्रभावित लोगों के लिये ऑक्सीजन की कमी पैदा हुई थी उस समय लोगों को हरियाली और वृक्षारोपण की ख़ूब याद आई थी। कई बीमार लोग तो खेतों में पेड़ों के नीचे बैठकर स्वास्थ्य लाभ लेते देखे गये। इस आपदा ने ऑक्सीजन को लेकर लोगों में इतनी जागरूकता बढ़ायी कि उसी समय से गमलों व पौधों की नर्सरी का व्यवसाय कई गुना बढ़ गया।

बहरहाल भविष्य में तापमान वृद्धि से बचने व इसके दीर्घकालिक उपाय करने के साथ साथ तात्कालिक रूप से शरीर पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभाव से बचाव करना भी बेहद ज़रूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाना और शरीर को हाइड्रेटेड रखना सबसे ज़रूरी है। इसके लिये बहुत सारा पानी पीना चाहिये और बार बार पीना चाहिए। इसके अलावा नारियल पानी, नींबू पानी, सत्तू व ओआरएस जैसे शीतल पेय भी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं और डिहाइड्रेशन रोकते हैं। ज़ीरा, धनिया या ख़ुस मिला ठंडा पानी भी इसके लिये बहुत फ़ायदेमंद है। इसके साथ ही अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से भी बचना चाहिये। इसके साथ ही घरों में पर्दे,सनशेड आदि लगाकर धुप को रोका जा सकता है। रात के समय खिड़कियां खुली रखने,पंखा चलने व आवश्यकता हो तो गीले कपड़े पहनने या ठन्डे पानी से नहाने व पैरों को ठन्डे पानी में भिगोकर रखने से भी प्रचंड गर्मी से राहत पाई जा सकती है। इस मौसम में आहार में भी सावधानियां बरतने की ज़रुरत है। हल्का व पौष्टिक भोजन लेना चाहिये। जंक फ़ूड को तो पूरी तरह नज़रअंदाज़ करना चाहिए। इसप्रकार से धरती के इस बढ़ते तापमान का हम किसी हद तक मुक़ाबला कर सकते हैं।

सुशासन तिहार की तैयारी तेज, बजट व विकास कार्यों पर सख्त निर्देश जिला पंचायत सामान्य सभा संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मुख्यालय में आयोजित जिला पंचायत की सामान्य सभा में विकास, सुशासन और जनहितकारी योजनाओं को लेकर व्यापक मंथन किया गया जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में उपाध्यक्ष राजेश साहू सीईओ अंकिता सोम जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, कृषि और आधारभूत संरचना सहित कई महत्वपूर्ण विषयों की गहन समीक्षा की गई बैठक की शुरुआत जनगणना 2027 की तैयारियों से हुई एसडीएम लिंगराज सिदार ने मोबाइल ऐप आधारित जनगणना प्रक्रिया की

जानकारी देते हुए बताया कि इस बार तकनीक के उपयोग से पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित की जाएगी उन्होंने जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया इसके साथ ही ज्ञान भारतम ऐप के माध्यम से राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण का प्रशिक्षण दिया गया जिससे सांस्कृतिक धरोहरों का डिजिटल संरक्षण संभव होगा। वत्तीय और विकासात्मक विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई कर्मचारियों के वेतन मनरेगा प्रधानमंत्री आवास योजना स्वच्छ भारत मिशन और 15वें वित्त आयोग से जुड़े प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। आगामी 1 मई से 10 जून तक आयोजित होने वाले सुशासन तिहार को लेकर विशेष तैयारियां करने के निर्देश दिए गए। गांव-गांव में समस्या निवारण शिविर लगाने और लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने पर जोर दिया गया स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान भारत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए टीबी कुष्ठ और सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन और पेयजल योजनाओं की स्थिति पर जानकारी देते हुए गर्मी में जल संकट से निपटने की रणनीति प्रस्तुत की लोक निर्माण विभाग ने सड़कों और भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा की जबकि शिक्षा विभाग ने विद्यालयों की स्थिति और शिक्षक उपलब्धता पर चर्चा की। महिला एवं बाल विकास, कृषि, पशुपालन और खाद्य विभागों ने भी अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने पेयजल, बिजली, सड़क, राशन और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याएं उठाईं, जिनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष यशवंती सिंह ने योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया यह बैठक जिले में सुशासन और विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्रेम विवाह करने वाले दंपत्ति ने मांगी पुलिस सुरक्षा, घर से भागकर शिवपुरी में कोर्ट मैरिज की

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रेम विवाह करने वाले एक दंपत्ति ने अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है युवती ने अपने परिजनों पर जान से मारने की धमकी देने और लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है श्योपुर जिले के विजयपुर तहसील अंतर्गत ग्राम हुल्लपुर निवासी अंजली धानुक ने बताया कि वह बालिग है। उन्होंने शिवपुरी जिले के सुभाषपुरा थाना क्षेत्र के करसेना गांव निवासी शैलू धाकड़ से दो दिन पहले घर से भागकर शिवपुरी में कोर्ट मैरिज की है।

शादी समारोह में मिले थे दोनों: अंजली के अनुसार, दोनों की मुलाकात एक शादी समारोह में हुई थी जिसके बाद बातचीत शुरू हुई पहले परिजनों ने ही दोनों की शादी तय की थी, लेकिन बाद में अचानक रिश्ता तोड़ दिया गया इसी कारण दोनों ने घर से भागकर विवाह किया अंजली ने आरोप लगाया है कि विवाह से नाराज

उसके परिजन लगातार उसे उसके पति और ससुराल पक्ष को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। वे घर पहुंचकर गाली-गलौज और दबाव बनाने की कोशिश भी कर रहे हैं दंपत्ति का कहना है कि किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी लड़की के परिजनों की होगी।

स्वेच्छा से किया विवाह किया लेकिन परिवार धमकी दे रहा: अंजली ने स्पष्ट किया है कि उसने अपनी मर्जी से शादी की है और पति या उसके परिवार द्वारा किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाया गया है दंपत्ति ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि परिजनों को समझाइश दी जाए और उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे सुरक्षित जीवन जी सकें।

केल्हारी क्षेत्र में टीम की सतर्कता से बचा नाबालिग का भविष्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत विकासखंड मनेंद्रगढ़ में प्रशासन की तत्परता से एक नाबालिग बालिका का विवाह समय रहते रुकवा दिया गया। थाना केल्हारी अंतर्गत ग्राम पंचायत डांडहंसवाही में बाल विवाह की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाल विवाह की सूचना मिलते ही जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, सेक्टर सुपरवाइजर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की टीम सक्रिय हो गई। टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचकर ग्राम पंचायत के सरपंच और पंचों के सहयोग से विवाह को रुकवाया। इस दौरान परिजनों को समझाइश दी गई और बालिका के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस निर्णय को टालने के लिए प्रेरित किया गया कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने बालिका और उसके परिवार को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह से न केवल शिक्षा प्रभावित होती है बल्कि स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। साथ ही मातृ मृत्यु दर कुपोषण और सामाजिक असुरक्षा जैसे खतरे भी बढ़ जाते हैं प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति होने के साथ-साथ दंडनीय अपराध भी है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत ऐसे मामलों में कड़ी वैधानिक कार्रवाई का प्रावधान है। टीम ने ग्रामीणों को कानून की जानकारी देते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए जागरूक रहने और समय पर सूचना देने की अपील की यह कार्रवाई दर्शाती है कि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समुदाय के समन्वित प्रयास से सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

रेत की आड़ में कोयला तस्करी का खुलासा

खनिज विभाग का शिकंजा संयुक्त कार्रवाई में ट्रैक्टर जब्त, कोयला माफियाओं में हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में अवैध कोयला उत्खनन और तस्करी के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ा खुलासा किया है रेत की आड़ में कोयले की तस्करी किए जाने के मामले में खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक ट्रैक्टर जब्त किया है इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय कोयला माफियाओं में हड़कंप मच गया है जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल 2026 को प्रकाशित एक समाचार के आधार पर जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। खबर में रात के अंधेरे में अवैध कोयला उत्खनन कर पड़ोसी राज्य में तस्करी किए जाने की बात सामने आई थी। इसके बाद कलेक्टर के निर्देशन में खनिज विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर विशेष अभियान चलाया गया 22 अप्रैल 2026 की रात करीब 8 बजे चिरमिरी के पोड़ी

थाना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान एक ट्रैक्टर (CG 16 CR 0241) को पकड़ा गया। जांच में पाया गया कि ट्रॉली में नीचे कोयला भरकर ऊपर रेत की परत डाल दी गई थी, ताकि जांच एजेंसियों को भ्रमित किया जा सके। हालांकि टीम की सतर्कता से यह चालाकी पकड़ में आ गई और तस्करी का प्रयास विफल कर दिया गया जब्त ट्रैक्टर को सुरक्षा के मद्देनजर पोड़ी थाना परिसर में रखा गया है और मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन परिवहन और तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि आने वाले समय में रात्रिकालीन निगरानी और छापामार कार्रवाई और तेज की जाएगी। इस सख्ती का उद्देश्य जिले की खनिज संपदा की लूट पर प्रभावी रोक लगाना और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना है।

नर्मदापुरम में गैस बुकिंग के नाम पर ठगी

व्यापारी ने गूगल पर सर्च किया नंबर, हैकर ने लिंक भेजकर खातों से उड़ाए 1.28 लाख

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुर (निप्र)। नर्मदापुरम में गैस सिलेंडर बुकिंग के नाम पर एक व्यापारी से 1.28 लाख रुपए की ठगी हुई है। मामला माखननगर का है। 60 वर्षीय बुजुर्ग व्यापारी ने शिकायत दर्ज कराने के लिए गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर सर्च किया था ठग ने उन्हें एक लिंक भेजकर मोबाइल हैक कर लिया और दो बैंक खातों से रकम निकाल ली घटना 17 अप्रैल की है पुलिस ने जांच के बाद 12वें दिन मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है गूगल पर सर्च किया नंबर व्हाट्सएप पर आई एपीके लिंक पुलिस के मुताबिक 17 अप्रैल की शाम 4 बजे व्यापारी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग कर रहे थे। बुकिंग नहीं होने पर उन्होंने शिकायत

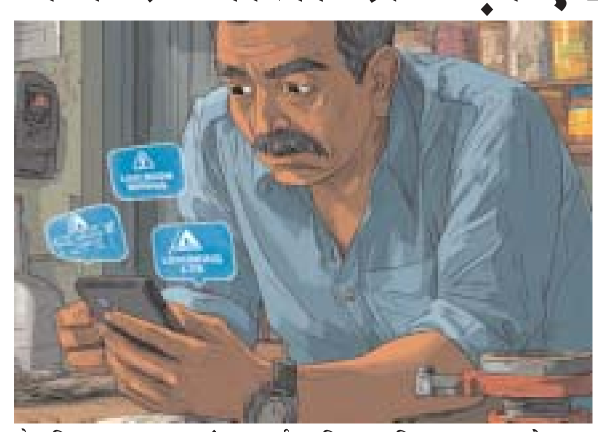

के लिए गूगल पर नंबर सर्च कर कॉल किया। फोन उठाने वाला व्यक्ति साइबर ठग था। उसने व्यापारी को व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल किया और बातचीत के दौरान एक एपीके फाइल की लिंक भेज दी लिंक क्लिक करते ही मोबाइल हैक बारकोड भेज मांगे 2 रुपए व्यापारी ने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया उनका मोबाइल हैक हो गया और फोन का सारा डाटा ठग के पास चला गया। इसके बाद ठग ने व्यापारी को एक बारकोड भेजा और कहा कि इसमें दो रुपए डाल दें आपकी बुकिंग हो जाएगी इस पूरी प्रक्रिया में करीब आधा घंटा लगा। इसी बीच हैकर ने व्यापारी के दो बैंक खातों से 99,999 और 28,999 रुपए (कुल 1,28,998 रुपए) निकाल लिए गनीमत रही कि खातों में केवल इतने ही रुपए रखे थे जिससे वे और बड़े नुकसान से बच गए पुलिस की अपील- केवल अधिकृत वेबसाइट का उपयोग करें मामले की जांच कर रहे एसआई अशोक बरबड़े ने बताया कि गूगल से नंबर सर्च करने और एपीके फाइल डाउनलोड करने के कारण व्यापारी साइबर फ्रॉड का शिकार हुए हैं पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी अनजान एपीके फाइल को डाउनलोड न करें मदद या शिकायत के लिए हमेशा संबंधित कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या अधिकृत पोर्टल पर दर्ज नंबर का ही उपयोग करें।

सिंध जलावर्धन योजना फेल, गहराया पेयजल संकट भीषण गर्मी में 4 दिन से पानी सप्लाई ठप शहरवासियों को हो रही परेशानी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में करोड़ों की लागत से बनी सिंध जलावर्धन योजना के फेल होने से पेयजल संकट गहरा गया है। पिछले चार दिनों से शहर की जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह ठप है 42 डिग्री से अधिक तापमान के बीच लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान हैं जानकारी के अनुसार फिल्टर प्लांट में तकनीकी खराबी के कारण पानी की आपूर्ति बाधित है। पहले मोटरों के स्टार्टर खराब हुए और बाद में मुख्य मोटर भी खराब हो गई जिससे संकट और बढ़ गया। वर्तमान में केवल एक ही मोटर चालू है, जिससे शहर की पूरी आबादी को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों मोटरें चालू

हुए बिना सप्लाई सामान्य नहीं हो सकती।

75 प्रतिशत शहर ओवरहेड टैंकों पर निर्भर: शहर के करीब 75 प्रतिशत इलाके ओवरहेड टैंकों से पानी पर निर्भर हैं, लेकिन टैंक भर नहीं पा रहे हैं। इससे अधिकतर वार्डों में पेयजल संकट गहरा गया है। वार्ड क्रमांक-7 की रामबाग कॉलोनी में चार दिनों से ट्यूबवेल बंद है स्थानीय लोग खासकर महिलाएं और बच्चे दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं लोगों का आरोप है कि नगर पालिका ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। टैंकरों से आपूर्ति भी पर्याप्त नहीं हो पा रही, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। नगर पालिका एई सचिन चौहान ने बताया कि फिल्टर प्लांट की जांच के लिए मैकेनिक बुलाए गए हैं। एक-दो दिन में व्यवस्था सामान्य होने की उम्मीद है।

ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रशासन की तैयारियां

30 जून 2026 तक जिला व उपखंड स्तर पर पेयजल नियंत्रण प्रकोष्ठ गठित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकट से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने आवश्यक कदम उठाए हैं जिले में पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान, बेहतर संचालन और प्रभावी देखरेख के उद्देश्य से विशेष पेयजल नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है यह प्रकोष्ठ 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा और प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक सक्रिय रूप से कार्य करेगा आदेश के तहत, पेयजल समस्याओं से संबंधित सभी शिकायतों और पत्राचार का संचालन संबंधित विभाग करेगा। प्रत्येक नियंत्रण प्रकोष्ठ में शिकायतों के पंजीकरण के लिए विशेष रजिस्टर तैयार किया जाएगा, जिसमें प्राप्त शिकायतों का विवरण और उनके तिथिवार समाधान का रिकार्ड रखा जाएगा इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित कार्यवाही करना है जिला स्तर पर खंड कार्यालय एमसीबी और उपखंड मुख्यालयों में शिकायत पंजी उपलब्ध रहेगा, जहां नागरिक अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज कर सकते हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों और तकनीकी कर्मचारियों के मोबाइल नंबर भी सार्वजनिक किए गए हैं ताकि प्रभावित ग्रामीण सीधे संपर्क कर सकें विकासखंड मनेन्द्रगढ़-खड़गवां-भरतपुर एवं जनकपुर क्षेत्र में सहायक अभियंता उपअभियंता और तकनीशियनों की नियुक्ति की गई है, जो खराब हैंडपंपों की मरम्मत और जलापूर्ति व्यवस्था को बनाए रखने का काम करेंगे। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे पेयजल संबंधी समस्याओं की सूचना शीघ्र संबंधित अधिकारियों को दें ताकि समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके यह कदम विशेष रूप से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के लिए राहतकारी साबित होगा, जहां गर्मी के मौसम में जल संकट अधिक गंभीर हो सकता है प्रशासन की यह पहल जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और जनहितकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

स्वागत की पोस्ट से नारोलिया का नाम गायब : सांसद दर्शन सिंह ने शेयर की थीं तस्वीरें, 10 घंटे बाद एडिट कर नाम जोड़ा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार रात नर्मदापुरम पहुंचे यहां सांसद दर्शन सिंह चौधरी के जनता कार्यालय में उनका स्वागत किया गया कार्यक्रम के बाद सांसद ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कीं उन्होंने पोस्ट में मौजूद सभी प्रमुख नेताओं के नाम लिखे, लेकिन राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का नाम लिखना भूल गए जबकि, फोटो में वह फ्रंट लाइन में खड़ी नजर आ रही हैं मामले के तूल पकड़ने और भास्कर में खबर पब्लिश होने के बाद सांसद ने अपनी पोस्ट एडिट कर उनका नाम जोड़ दिया है 10 मिनट कार्यालय में रुके कृषि मंत्री, सांसद ने भेंट किया हल कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार रात 10:10 बजे सांसद दर्शन सिंह चौधरी के कार्यालय पहुंचे थे। कृषि मंत्री बनने के बाद पहली बार नर्मदापुरम आने पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया इस दौरान सांसद चौधरी ने उन्हें किसान हितों के प्रतीक के रूप में एक हल भेंट किया। कार्यालय में करीब 10 मिनट रुकने के बाद रात 10:20 बजे मंत्री का काफिला शहर में आयोजित अन्य निजी कार्यक्रमों के लिए रवाना हो गया फोटो में बगल में खड़ीं माया नारोलिया पोस्ट में जिक्र नहीं मंत्री के जाने के बाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने अपने सोशल मीडिया पेज पर स्वागत समारोह की तस्वीरें शेयर कीं इस पोस्ट में नर्मदापुरम विधायक सीताशरण शर्मा, सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला और नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की उपस्थिति का जिक्र किया गया लेकिन इसमें राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का नाम नहीं लिखा गया। शेयर की गई एक तस्वीर में माया नारोलिया फ्रंट लाइन में नर्मदापुरम विधायक के ठीक बगल में खड़ी दिखाई दे रही हैं।

200 क्विंटल गेहूं सहित अन्य अनाज जब्त

दो गोदाम सील प्रशासन की दबिश में नंदनी ट्रेडर्स पर अनियमितता उजागर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अवैध अनाज भंडारण और अनियमितताओं पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर बदरवास कस्बे में छापेमारी कर गोदाम सील किया गया और भारी मात्रा में

अनाज जब्त किया गया कोलारस एसडीएम अनूप श्रीवास्तव बदरवास तहसीलदार सचिन भार्गव और अनाज मंडी कर्मचारियों की टीम को अवैध खरीद और भंडारण की सूचना मिली थी। इसके बाद घुरवार रोड स्थित नंदनी ट्रेडर्स पर कार्रवाई की गई बिना लाइसेंस अनाज खरीद का खुलासाजांच में सामने आया कि संचालक राजेंद्र किरार बिना वैध लाइसेंस के अनाज की खरीद और भंडारण कर रहा था जो नियमों का उल्लंघन है। दुकान के पास स्थित गोदाम की तलाशी में लगभग 200 क्विंटल गेहूं सहित बड़ी मात्रा में अन्य अनाज बरामद हुआ जिसे प्रशासन ने जब्त कर लिया जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद प्रशासन ने दोनों गोदामों को सील कर दिया और पूरे स्टॉक को अपने कब्जे में ले लिया।

खरगोन में बाइक सवार को 200 मीटर घसीटा : शरीर के अवशेष सड़क पर बिखरे, फावड़े से समेटना पड़ा वाहन चालक मौके से फरार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर मंगलवार दोपहर खलघाट की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन युवक को करीब 200 मीटर तक घसीटता ले गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना नर्मदा संजय सेतु पुल पर हुई।

फावड़े से समेटने पड़े शरीर के अवशेष: हादसे के बाद युवक के शरीर के अवशेष सड़क पर बिखर गए, जिन्हें बाद में फावड़े की मदद से इकट्ठा करना पड़ा। घटना को अंजाम देने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान 35 वर्षीय मनीष पिता नानुराम राठौड़ निवासी सायता नावडाटोडी, थाना कसरावद के रूप में हुई है। उसकी बाइक का नंबर [illegible]7156 था। उसी से पहचान की गई। वह पूर्व एंबुलेंस कर्मचारी बताया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही खलटाका पुलिस चौकी से एएसआई अशोक नैयर, आशीष सोमवंशी और आरक्षक पंकज शर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए कसरावद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया।

वाहन चालक फरार: खलटांका चौकी के एएसआई अशोक नैयर ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कसरावद अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। फरार वाहन चालक की तलाश जारी है।

गरोठ में 50 किलो गांजे की तस्करी :कीमत 75 हजार रुपए ; पिता गिरफ्तार, बेटा फरार

मीडिया ऑडीटर, गरोठ (निप्र)। गरोठ थाना क्षेत्र के सपानिया गांव में 50 किलोग्राम गांजे की तस्करी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार, 28 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 50 किलोग्राम गांजा जब्त किया। इस मामले में पिता गुमान सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उनका बेटा नारायण फरार है। थाना प्रभारी बलवीर सिंह यादव ने बताया कि गुमान सिंह पिता हरि सिंह सोंधिया राजपूत के कब्जे से दो बोरों में भरा 50 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस को मुखबिर से स्व. धन्नालाल योगी सूचना पर सपानिया गांव में गांजे की तस्करी की सूचना मिली थी। इसके बाद एक विशेष पुलिस टीम का गठन कर मंगलवार को यह कार्रवाई की गई। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत 75,000 रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, फरार बेटे नारायण ने ही यह गांजा कहीं से लाकर बेचने की तैयारी की थी। पुलिस ने गुमान सिंह को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। उनसे पूछताछ जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि फरार बेटे नारायण की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में अन्य संदिग्ध आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई को नशीले पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर नशे के कारोबार को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

सागर में ट्रक ने युवक को रौंदा, मौत :मंडी से काम करके लौट रहा था घर, सागर-खुरई मार्ग पर देर रात चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के मोतीनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। हादसे से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने सागर-खुरई मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाइश दी, जिसके बाद रात करीब 12 बजे जाम खुला और यातायात बहाल हो सका।

मंडी से घर लौट रहा था युवक: बिहारीपुरा निवासी अजय अहिरवार (25) कृषि उपज मंडी में काम करता था। रात करीब 10.30 बजे वह ग्राम गढ़ौली खुर्द के पास से होते हुए अपने घर लौट रहा था, तभी ट्रक ने उसे चपेट में ले लिया। टक्कर से उछलकर वह सड़क पर जा गिरा। स्थानीय लोग उसे तुरंत भाग्योदय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ब्रेकर नहीं बनने से नाराज थे ग्रामीण: हादसे के विरोध में लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। उनका आरोप था कि इस रास्ते पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। 6 फरवरी को भी यहां एक दुर्घटना हुई थी, जिसके बाद प्रशासन ने गांव में स्पीड ब्रेकर बनाने का आश्वासन दिया था। अब तक ब्रेकर न बनने और कोई कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीण सड़क पर बैठ गए। अधिकारियों के उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद ही प्रदर्शनकारी शांत हुए।

रीवा में विकास बना मुसीबत! KCC कंपनी की मनमानी से बिना डायवर्जन बंद हुई सड़क प्रोजेक्ट मैनेजर के बयान से भड़का जनाक्रोश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिला में करोड़ों की लागत से बन रही रतहरा से चोरहटा फोरलेन सड़क अब जनता के लिए राहत नहीं बल्कि रोज़ की परेशानी का कारण बनती जा रही है। ताज़ा मामला इटौरा-विश्वविद्यालय मार्ग का है जहां निर्माण एजेंसी KCC कंपनी की कथित लापरवाही और मनमानी ने लोगों का गुस्सा भड़का दिया है। आरोप है कि कंपनी ने बिना किसी वैकल्पिक डायवर्जन के मुख्य मार्ग को अचानक बंद कर दिया जिससे आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक यह सड़क न केवल शहर बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ उत्तर प्रदेश के लिए भी एक प्रमुख संपर्क मार्ग है। रोज़ाना हजारो भारी वाहन के साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन इस रास्ते से गुजरते हैं। लेकिन KCC कंपनी द्वारा सड़क पर मलबा डालकर और खुदाई कर मार्ग को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया है। हालात इतने खराब हैं कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, पानी भरा हुआ और किनारे निर्माण सामग्री के ढेर लगे हुए हैं जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कंपनी ने न तो कोई पूर्व सूचना दी और न ही कोई वैकल्पिक मार्ग (डायवर्जन) तैयार किया। अचानक रास्ता बंद होने से लोग घंटों जाम में फंस रहे हैं और कई बार उन्हें लंबा चक्कर लगाकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चे नौकरीपेशा लोग और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है।

जब स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर चष्टष्ट कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से संपर्क किया तो उनका रवैया और भी हैरान करने वाला रहा। लोगों का आरोप है कि प्रोजेक्ट मैनेजर ने साफ शब्दों में कहा सड़क नहीं खोलेंगे जो करना है कर लो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझ पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। इस बयान ने लोगों के गुस्से को और भड़का दिया है और अब मामला प्रशासन तक पहुंच चुका है।

ग्रामीणों और शहरवासियों ने संबंधित विभाग में शिकायत दर्ज कराते हुए तत्काल सड़क खोलने और उचित डायवर्जन की व्यवस्था करने की मांग की है। उनका कहना है कि विकास कार्य का मतलब जनता को परेशानी देना नहीं होना चाहिए। अगर प्रशासन ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया तो लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

गौरतलब है कि यह पहला मामला नहीं है जब चष्टष्ट कंपनी पर लापरवाही के आरोप लगे हों। इससे पहले भी निर्माण कार्य में घटिया गुणवत्ता, धूल प्रदूषण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर कई बार शिकायतें सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन इस बार सख्त कदम उठाएगा या फिर जनता को इसी तरह परेशानियों के बीच जीना पड़ेगा? फिलहाल रीवा में विकास के नाम पर चल रहा यह निर्माण कार्य आम लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है और लोगों की नजरें अब प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

छतरपुर में बंदर के हमले से रिक्शा पलटा 9 साल की बच्ची का पैर फ्रैक्चर, ऑपरेशन के बाद ट्रॉमा वार्ड में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में मंगलवार को एक बंदर के अचानक हमले से बैटरी ऑटो रिक्शा पलट गया। हादसे में 9 साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका पैर फ्रैक्चर हो गया। बच्ची का जिला अस्पताल में ऑपरेशन किया गया है और उसे ट्रॉमा वार्ड में ऑब्जर्वेशन में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक, राम अवतार अहिरवार का परिवार सटई थाना क्षेत्र के भैरा गांव से काबर गांव शादी समारोह में शामिल होने गया था। शादी के बाद परिवार बैटरी ऑटो रिक्शा से वापस लौट रहा था। तभी रास्ते में जंगल क्षेत्र से गुजरते समय अचानक एक बंदर पेड़ से कूदकर ऑटो पर आ गिरा।

बंदर से ड्राइवरा का बिगड़ा था संतुलन: घायल की मां भारती बताती है कि बंदर के ऑटो के अगले हिस्से पर गिरने से चालक संतुलन खो बैठा और वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के दौरान ऑटो में सवार 9 वर्षीय श्रद्धा अहिरवार वाहन के नीचे दब गई, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने बमुश्किल बच्ची को ऑटो के नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। हादसे में उसके पैर में गंभीर फ्रैक्चर हो गया और शरीर पर भी कई चोटें आई।

गंभीर हालत में जिला अस्पातल रेफर: घटना के तुरंत बाद बच्ची को पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां डॉक्टरों ने उसका ऑपरेशन कर पैर में रॉड डाली है। फिलहाल बच्ची को ट्रॉमा वार्ड में निगरानी में रखा गया है। डॉक्टरों के मुताबिक बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उसे कुछ दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है।

रायसेन में 44 डिग्री पारा, सड़कों पर पिघलने लगा डामर पहाड़ों से घिरा होने के कारण पड़ती है अधिक गर्मी रात के समय पत्थर भी छोड़ते हैं हीट

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में अप्रैल के अंतिम सप्ताह में ही भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि रात में भी गर्मी

से राहत नहीं मिल रही। हालात ऐसे हैं कि सड़कों पर डामर तक पिघलने लगा है। जिले में दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे जनजीवन पर सीधा असर पड़ा है। तेज धूप और लू के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा नजर आ रहा है। भीषण गर्मी का असर सड़कों पर भी दिखाई दे रहा है। कई जगह डामर पिघलने लगा है, जिससे वाहनों के पहिए के निशान साफ नजर आ रहे हैं।

रात में भी नहीं मिल रही राहत, न्यूनतम तापमान 29 डिग्री: गर्मी से लोग दिन ही नहीं, रात में भी परेशान हैं। बीती रात का न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। रायसेन पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां गर्मी ज्यादा महसूस होती है। दिन में पत्थर तप जाते हैं और रात में वही गर्मी वातावरण में छोड़ते हैं, जिससे तापमान लगातार ऊंचा बना रहता है। मौसम विभाग ने जिले में लू का अलर्ट जारी किया है और तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई है। हालांकि, कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी के भी आसार बताए गए हैं।

बारात में जा रही डीजे गाड़ी पलटी, 3 घायल खंडवा के पटाजन से जसवाड़ी जा रही थी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा-अमरावती स्टेट हाईवे पर गुड़ी गांव के पास मंगलवार को एक डीजे गाड़ी पलट गई। हादसे में गाड़ी के ऊपर बैठे तीन लोग सड़क पर गिर गए। इनमें एक युवक की हालत गंभीर है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि बारात में जाने की जल्दबाजी में डीजे गाड़ी तेज रफ्तार में थी। रास्ते में टर्न आने पर सामने से बाइक सवार आ गया, जिसे बचाने में गाड़ी पलट गई।

घटना मंगलवार शाम 4:30 बजे की है। सूचना मिलने पर पिपलोद थाने की डायल 112 मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। पुलिस के मुताबिक, डीजे गाड़ी पटाजन (रोशनी) की थी, जो खंडवा के समीपस्थ ग्राम जसवाड़ी में शादी समारोह के लिए जा रही थी। दूल्हे पक्ष ने बारात के लिए डीजे बुलाया था, लेकिन रास्ते में ही वाहन हादसे का शिकार हो गया।

बाइक सवार को बचाने में हादसा: पुलिस के अनुसार, घटना ग्राम गुड़ी के पास हुई। डीजे गाड़ी तेज रफ्तार में थी और एक मोड़ पर सामने से बाइक आ गई। बेकाबू गाड़ी को नियंत्रित करने के लिए ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे गाड़ी पलट गई। तीन लोग गाड़ी के ऊपर बैठे थे, जो नीचे गिर गए। घायलों में एक की हालत गंभीर है।

सागर में मकान की छत गिरी, बेटे की मौत, पिता घायल छत पर सो रहा था परिवार

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ग्राम भटोली कुमेरिया में मकान की छत गिर गई। घटना में मलबे की चपेट में आने से बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पुलिस ने मामला जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम भटोली कुमेरिया में मंगलवार सुबह गोविंद लड़िया के मकान की छत गिर गई। घटना के समय छत पर गोविंद लड़िया और उनका 14 वर्षीय बेटा केशव लड़िया सो रहे थे। तभी अचानक छत भरभराकर गिर गई।

बेटे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल: घटना में केशव के सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई, जबकि गोविंद लड़िया गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बारिश से कमजोर हुई थी छत: ग्रामीणों के अनुसार, एक दिन पहले हुई बारिश के कारण मकान की छत में पानी भर गया था, जिससे उसकी सीलिंग कमजोर हो गई थी। सुबह यह हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। गढ़ाकोटा थाना प्रभारी शिवम दुबे ने बताया कि मकान की छत गिरने से नाबालिग की मौत हुई।

रतलाम दो पक्षों में विवाद, फायरिंग में तीन घायल

कार को रास्ता नहीं देने पर आपस में भिड़े; क्रॉस केस दर्ज, आरोपी हिरासत में

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के नामली के गांव नेगड़दा में दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बड़ा कि एक पक्ष ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से फायर कर दिया। फायर के कारण तीन लोग बंदूक के छर्रे लगने से घायल हो गए। जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटनाक्रम सोमवार देर रात की दरमियानी रात का है। गांव नेगड़दा निवासी चरणसिह पिता बापूलाल जाट अपने घर के बाहर ट्रैक्टर ट्रॉली में भाई अशोक जाट, पत्नी सोनु जाट व परिवार के सदस्यों के साथ गेहूं भर रहे थे। इस दौरान गांव के दिनेश जाट कार लेकर आए।

रास्ता देने को लेकर बहस मारपीट में बदली: कार में उनके साथ बेटा विक्रम जाट व भतीजा कृष्णा पिता विनोद जाट सवार थे। वह रतलाम से गांव पहुंचे थे। रास्ते से ट्रैक्टर ट्रॉली हटाकर कार निकालने के लिए रास्ता देने को कहा। तब अशोक जाट ने कहा कि थोड़ी देर रुक जाओ। हमें गेहूं भरने दो। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। कहासुनी विवाद में तब्दिल होकर मारपीट में बदल गई।

लाइसेंसी बंदूक से किया फायर: विवाद इतना बड़ा है कि ट्रैक्टर ट्रॉली में गेहूं भर रहे परिवार के अशोक जाट अपने घर से बंदूक लेकर आ गया। फायर कर दिया। फायर के कारण कार सवार दिनेश जाट, विक्रम जाट व कृष्णा जाट को पैर में छर्रे लग गए। इस दौरान भगदड़ की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर रात में भारी पुलिस बल गांव नेगड़दा पहुंचा। बंदूक से घायल पिता व बेटों को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।

दोनों पक्षों के खिलाफ केस: नामली थाना प्रभारी अमित कोरी ने बताया कि एक पक्ष के चरणसिंह पिता बापूसिंह जाट की रिपोर्ट पर आरोपी दिनेश पिता राजाराम जाट, कृष्णा पिता विनोद जाट, विक्रम पिता दिनेश जाट निवासी नेगड़दा के खिलाफ धारा 296(ड्ड), 115(2), 351(3), 3(5) BNS के तहत केस दर्ज किया।वहीं दूसरे पक्ष के दिनेश जाट की तरफ से अशोक पिता बापूलाल जाट, चरणसिंह पिता बाबपूलाल जाट व जितेंद्र पिता रमेश जाट के खिलाफ जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। एसपी अमित कुमार ने बताया दोनों पक्षों में रास्ते को लेकर विवाद हुआ है। विवाद में फायरिंग हुई है। आरोपियों को पुलिस कस्टडी में लिया है। ऐसे ऑनर जिनके पास लाइसेंसी बंदूक है उनके खिलाफ अभियान चलाया जाएगा कि वह किसी अपराधिक घटना में उपयोग तो नहीं कर रहे है। आरोपी के बंदूक का लाइसेंस भी निरस्त करवाएंगे।

रायसेन में 407 ने बाइक को टक्कर मारी: दो युवक गंभीर घायल तड़पते रहे नही पहुंची एंबुलेंस, निजी वाहन से ले गए भोपाल

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में मंगलवार रात करीब 8 बजे भोपाल रोड स्थित खरवाई घाटी पर एक तेज रफ्तार 407 मिनी ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टाटा 407 की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला पहिया टूटकर पीछे की ओर जा घुसा। यह घटना खरवाई घाटी टोल टैक्स से महज एक किलोमीटर पहले हुई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन आधे घंटे से अधिक समय तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। घायल युवक सड़क पर ही तड़पते रहे, जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई। सूचना मिलने पर खरबई चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराया।

मैड्रिड ओपनः हैली बैप्टिस्ट ने एरिना सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

मैड्रिड, एजेंसी। अमेरिका की हैली बैप्टिस्ट ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की हैली ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की और छह मैच पॉइंट बचाकर दो घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत हासिल की। ??यह जीत न सिर्फ उनके करियर की सबसे बड़ी जीत थी, बल्कि टूर पर सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। बैप्टिस्ट, जिन्होंने इस हफ्ते से पहले कभी किसी टॉप 5 अपोनेंट को नहीं हराया था, ने अब मैड्रिड में टॉप-टियर प्लेयर्स पर लगातार दो जीत दर्ज की हैं। इससे पहले उन्होंने तीसरे राउंड में जैस्मीन पाओलिनी को बाहर किया था। बैप्टिस्ट का सेमीफाइनल में सामना नौवीं सीड मीरा एंड्रीवा से होगा। बैप्टिस्ट ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने कुछ सप्ताह पहले उनके खिलाफ खेला था, और वह एक करीबी मैच था। मैं हर सेट में सिर्फ एक बार टूटी। इसलिए मुझे बेहतर अंदाजा हो गया था कि उसे कैसे खेलना है, और मुझे कैसे खेलना चाहिए, और मुझे क्या बदलाव करने थे। इसलिए मुझे लगता है कि मैं बस अपना गेम खेलने की कोशिश कर रही थी, वही चीजें कर रही थी जो मैं करती आ रही थी, लेकिन पिछली बार जब हम खेले थे, तब से मुझे कुछ बदलाव करने थे।

उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगी कि मैं जरूरी तौर पर गली के बाहर गेंद मारने पर काम कर रही हूं। लेकिन जाहिर है जब आप हर समय पॉइंट्स खेल रहे होते हैं तो आप उन पोजीशन में आ जाते हैं। मुझे सच में उन पोजीशन में रहना बहुत पसंद है, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं वहां शॉट बना सकती हूं। सबालेंका ने कहा, बैप्टिस्ट ने बहादुरी वाला खेल दिखाया। मुझे लगता है कि मियामी में मैंने उसे ज्यादा मौके नहीं दिए। वह मेरी सर्व नहीं तोड़ सकी। यहां, पहले गेम, दूसरो सेट में, मैंने बस कहीं से दो बार डबल-फॉल्ट किया। ऐसा लगा कि इससे उसे विश्वास मिला। उसके बाद, उसने और ज्यादा आक्रामक तरीके से खेलना शुरू कर दिया। वह बहादुरी वाला टेनिस खेल रही थी।

दिग्गज गोल्फर विजय कुमार का निधन, पीजीटीआई ने जताया शोक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय गोल्फ के दिग्गज और पूर्व इंडियन ओपन चैंपियन विजय कुमार का 57 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने सोशल मीडिया के माध्यम से की है। पीजीटीआई ने चार बार के ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता के निधन पर शोक जताते हुए कहा, हमें भारतीय गोल्फ के एक सच्चे दिग्गज और पूर्व इंडियन ओपन चैंपियन, विजय कुमार के निधन से बहुत दुख हुआ है। विजय की सबसे बड़ी उपलब्धि दिल्ली गोल्फ क्लब में 2002 का इंडियन ओपन जीतना था। उन्होंने स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में खेले गए अल्फ्रेड डनहिल कप 1999 में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी असाधारण उपलब्धियां, उनके टैलेंट, सालों की कड़ी मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति जुनून का नतीजा हैं, जिन्होंने भारतीय गोल्फ पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। पीजीटीआई ने कहा, अपनी कामयाबियों के अलावा, हमेशा मुस्कुराते रहने वाले विजय को उनके सकारात्मक रवैये, खुशमिजाज स्वभाव, शानदार सेंस ऑफ ह्यूमर और खेल भावना के लिए याद किया जाएगा। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के सभी पेशेवर और अधिकारियों की ओर से, हम विजय कुमार के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं जताते हैं। विजय कुमार का जन्म 29 दिसंबर, 1968 को लखनऊ में हुआ था। वह 1988 में पेशेवर खिलाड़ी बने थे। उन्होंने 1990 के दशक के बीच से लेकर अगले दशक की शुरुआत तक भारतीय घरेलू गोल्फ में अपना दबदबा बनाए रखा और कई खिताब जीतते हुए एक शानदार करियर बनाया। वह चार बार (1995-96, 1997-98, 1998-99 और 1999-2000) इंडियन प्रोफेशनल सर्किट पर ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन बने। वह इंडियन ओपन का खिताब जीतने वाले सिर्फ सात भारतीयों में से एक हैं। विजय 2006 इंडियन ओपन में जॉइंट रनर-अप थे।

पीएसजी बनाम बायर्नः पेरिस सेंट-जर्मेन को मिली मामूली बढ़त

पेरिस, एजेंसी। पेरिस सेंट-जर्मेन और बायर्न म्यूनिख के बीच खेला गया मुकाबला 5-4 के रोमांचक स्कोरलाइन के साथ समाप्त हुआ। इस मैच में दोनों ही टीमों की तरफ से बेहतरीन अटैक देखने को मिला। मैच की शुरुआत से ही लगने लगा था कि दोनों टीमें आक्रामक रुख अपनाएंगी। हैरी केन ने पेनल्टी के जरिए बायर्न को शुरुआती बढ़त दिलाई। यह बढ़त ज्यादा देर टिक नहीं सकी। ख्विचा क्वारत्सखेलिया ने शानदार, बेहतरीन कौशल दिखाते हुए बराबरी का गोल दागा। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच लगातार जवाबी हमले होते रहे। जोआओ नेवेस के हेडर ने पीएसजी को बढ़त दिलाई, लेकिन माइकल ओलिस ने एक शानदार सोलो रन के बाद गोल कर बायर्न को फिर बराबरी पर ला दिया। हाफ खत्म होने से ठीक पहले उस्मान डेम्बेले ने पेनल्टी पर गोल कर पीएसजी को 3-2 की बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि पीएसजी मैच को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लेगा। अशरफ हकीमी के शानदार क्रॉस पर क्वारात्सखेलिया ने अपना दूसरा गोल किया, और फिर डेम्बेले ने भी एक और गोल जोड़कर स्कोर 5-2 कर दिया। इस समय पीएसजी का आक्रमण बेहद संगठित और घातक दिख रहा था।

बायर्न म्यूनिख के लिए दयोत उपामेकानो ने हेडर के जरिए एक गोल किया और इसके तुरंत बाद लुइस डियाज ने शानदार स्ट्राइक लगाकर स्कोर 5-4 कर दिया। इस वापसी ने मैच को अंत तक रोमांचक बनाए रखा।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने मैच के बाद कहा कि यह मुकाबला किसी भी दिशा में जा सकता था, जो इस खेल की गुणवत्ता को दर्शाता है। वहीं, डेम्बेले ने भी माना कि दोनों टीमें आक्रामक खेल में विश्वास रखती हैं और दूसरे लेग में भी ऐसा ही मुकाबला देखने को मिल सकता है।

अब जब दोनों टीमें दूसरे लेग के लिए एलियांज एरिना में उतरेंगी, तो उम्मीद की जा रही है कि यह मुकाबला फिर से फुटबॉल प्रेमियों को एक और क्लासिक देखने का मौका देगा।

एआईएफएफ एलीट यूथ लीगः सिर्फ 10 मिनट में 3 गोल

जिंक एफए को हराकर पंजाब एफसी ने बचाया खिताब

गढ़शंकर (पंजाब), एजेंसी। एआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 में पंजाब एफसी ने मंगलवार को रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल में जिंक फुटबॉल एकेडमी को 3-0 से मात देकर अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। इस मुकाबले के तीनों गोल 10 मिनट में हुए। दूसरे हाफ में 10 मिनट के जोरदार खेल में द कब्स (पंजाब एफसी) ने तीन गोल दागे, जिसमें करिष सोराम ने 69वें मिनट में पहला गोल किया। विशाल यादव ने 70वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। 79वें मिनट में थोंगराम ऋषिकान्त सिंह के गोल से मैच का नतीजा तय हो गया। पंजाब एफसी ने पहले हाफ में गेंद पर पूरा दबदबा बनाए रखा, और ज्यादातर खेल जिंक एकेडमी के हाफ में ही चलता रहा। विशाल और समीर दोनों ने शुरुआत में ही जिंक एफए के गोलकीपर स्मरनिक थापा की परीक्षा ली, लेकिन गोलकीपर ने शानदार बचाव करते हुए उन्हें गोल करने से रोक दिया।

30वें मिनट में गोलकीपर को फिर से एक्शन में आना पड़ा, उन्होंने एक कॉर्नर से आए सतनाम सिंह के हेडर को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाकर बचाव किया। दूसरी ओर, जिंक एफए ने अपने सेट-पीस का अच्छा इस्तेमाल करते हुए कुछ मौके बनाए, लेकिन उनके प्रयास सीधे विश्वजीत की ओर गए, जिससे दोनों टीमें हाफ-टाइम ब्रेक तक 0-0 की बराबरी पर रहीं। जिंक एफए ने डिफेंस में अपनी मजबूती बरकरार रखी थी, लेकिन 69वें मिनट में यह बराबरी खत्म हो गई। करिष सोराम ने गोलकीपर को कोई मौका नहीं दिया, और उनके बाएं पैर से मारा गया एक शानदार कर्लर शॉट गोल के ऊपरी बाएं कोने में जा लगा। मौजूदा चैंपियन ने एक मिनट के अंदर ही अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। जिंक एकेडमी के एक डिफेंडर के फिसलने से हुए गलत पास का फायदा उठाते हुए विशाल यादव ने पिच पर आगे बढ़कर गेंद को अपने कब्जे में ले लिया। पंजाब के कप्तान ने आगे बढ़ रहे गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोल में डाल दिया, जिससे स्कोर 2-0 हो गया। पंजाब एफसी ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखा और 79वें मिनट में अपना तीसरा गोल भी कर दिया। मोइरांगथेम सायोंबा सिंह ने ऋषिकांत को एक बेहतरीन असिस्ट दिया, जिन्होंने अपने मार्कर को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ा और अपने बाएं पैर से शॉट मारकर गोल कर दिया। पंजाब एफसी ने मैच के बाकी हिस्से पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और अपने घरेलू समर्थकों के सामने अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

यूईएफए चैंपियंस लीगः सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड से होगी आर्सेनल की भिड़ंत

मैड्रिड, एजेंसी। एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच यूईएफए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल का पहला मुकाबला काफी रोमांचक और रणनीतिक होने की उम्मीद है। यह मैच बुधवार को मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें पहले भी इस सीजन आमने-सामने आ चुकी हैं, जहां आर्सेनल ने अक्टूबर में लंदन में 4-0 से बड़ी जीत हासिल की थी। हालांकि, उस मैच के बाद आर्सेनल का प्रदर्शन थोड़ा गिरा है। टीम इस समय प्रीमियर लीग खिताब की दौड़ में मैनचेस्टर सिटी से कड़ी टक्कर ले रही है, जिससे खिलाड़ियों पर दबाव भी बढ़ा है। इसके अलावा टीम खिलाड़ियों की चोटों से भी परेशान है। मिकेल मेरिनो लंबे समय से बाहर हैं और उनका फीफा वर्ल्ड कप 2026 में भी खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। जुरियन टिम्बर चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे और काई हैवर्ट्ज भी हाल ही में चोटिल हो गए हैं। एबेरेची एजे और मार्टिन जुबिमेंडी भी इस मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। हालांकि, आर्सेनल के लिए राहत की खबर यह है कि बुकायो साका अब फिट हैं, और वह टीम के आक्रमण को मजबूती देंगे। उनसे इस बड़े मुकाबले में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दूसरी ओर, एटलेटिको मैड्रिड की टीम ला लीगा में चौथे स्थान पर है और अगले सीजन के चैंपियंस लीग के लिए उनकी स्थिति मजबूत है। हालांकि, वे खिताब की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। हाल ही में कोपा डेल रे फाइनल में हार के बाद कोच डिएगो सिमोन ने टीम में बदलाव किए हैं, जिससे कुछ अहम खिलाड़ियों को आराम और फिट होने का समय मिला है। इस मैच में दोनों टीमें सावधानी से खेल सकती हैं। एटलेटिको आमतौर पर मजबूत डिफेंस और काउंटर अटैक पर भरोसा करता है, जबकि आर्सेनल भी संतुलित खेल दिखाता है। सेट पीस यानी कॉर्नर या फ्री-किक इस मैच में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मुकाबले के रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है। दोनों ही टीमों का डिफेंस काफी मजबूत है, ऐसे में मैच में काफी गोल लगने की संभावना है।

राजस्थान रॉयल्स के लिए 20वां अर्धशतक

जायसवाल के नाम दर्ज हुआ ये रिकॉर्ड

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 40वें मैच में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 51 रन की पारी खेली। इसी के साथ जायसवाल आरआर की तरफ से सर्वाधिक आईपीएल अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। मंगलवार को मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेन्द्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 27 गेंदों में 1 छक्के और 7 चौकों के साथ 51 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी के साथ 3.2 ओवरों में 51 रन जुटाए। आईपीएल इतिहास में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से सर्वाधिक अर्धशतक जमाने के मामले में जोस बटलर और संजू सैमसन संयुक्त रूप से नंबर-1 हैं। बटलर ने 82 पारियों में 25 अर्धशतक लगाए हैं, जबकि संजू 144 पारियों में इतने ही अर्धशतक जमा चुके हैं।

अजिंक्य रहाणे इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए 93 पारियों में 19 अर्धशतक लगाए, जबकि शेन वॉटसन 76 पारियों में 16 अर्धशतकों के साथ लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं।

मुल्लांपुर में खेले जा रहे इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 222 रन बनाए। इस पारी में मार्कस स्टोइनिस ने 22 गेंदों में 6 छक्कों और 4 चौकों के साथ 62 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 44 गेंदों में 59 रन बनाए। इनके अलावा, कूपर कोनोली और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 30-30 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

पंजाब किंग्स की टीम 18 ओवरों में 4 विकेट खोकर 181 रन बना चुकी थी। यहां से मार्कस स्टोइनिस ने सूर्यांश शेगड़े के साथ पांचवें विकेट के लिए महज 12 गेंदों में 41 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

विपक्षी खेमे से यश राज ने 41 रन देकर सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर और नंद्रे बर्गर ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने पीयूष गोयल को भेंट किया जीआई-टैग वाला विलो बैट

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से खास मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान टीम ने केंद्रीय मंत्री को जीआई-टैग विलो बैट भेंट किया, जिस पर जम्मू-कश्मीर टीम के सभी खिलाड़ियों ने साइन भी किया। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जम्मू-कश्मीर टीम और बल्ले की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, हाल ही में हुई रणजी ट्रॉफी की चैंपियन जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम की तरफ से जीआई-टैग वाला विलो बैट मिला। यह सोच-समझकर दिया गया तोहफा पाकर सच में बहुत खुशी हुई, जो जम्मू और कश्मीर की शानदार कारीगरी और क्रिकेट की भावना को दिखाता है। गौरतलब है कि पारस डोगरा की कप्तानी में जम्मू-कश्मीर ने 67 साल का सूखा खत्म करते हुए पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। कर्नाटक के खिलाफ फाइनल मुकाबला ड्रॉ खेलने के साथ ही जम्मू-कश्मीर के लिए यह ऐतिहासिक पल आया।

खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बनाए। टीम की तरफ से शुभम पुंडीर ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 121 रनों की शानदार पारी खेली थी, जबकि यावर हसन ने 88 रनों का योगदान दिया था। वहीं, साहिल लोत्रा ने भी 72 रनों का योगदान दिया था।

हालांकि, कर्नाटक की टीम पहली पारी में सिर्फ 293 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वहीं, दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर ने 4 विकेट खोकर 342 रन बनाए। पहली पारी के आधार

पर मिली 291 रनों की बढ़त के चलते जम्मू-कश्मीर पहली बार रणजी चैंपियन बनी। जम्मू-कश्मीर को पहली बार यह खिताब दिलाने में तेज गेंदबाज आकिब नबी डार ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने फाइनल मुकाबले में 5 विकेट निकाले। इसके साथ ही पूरे टूर्नामेंट में आकिब ने कुल 60 विकेट चटकाए। वहीं, बल्लेबाजी में कप्तान पारस डोगरा का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा और उन्होंने 10 मुकाबलों में 49.53 की औसत से खेलते हुए 637 रन बनाए। अब्दुल समद टूर्नामेंट में जम्मू-कश्मीर की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 10 मुकाबलों में 69 की औसत से कुल 748 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल रहे।

रीवा में पुल कांड: नए निर्माण की लापरवाही से टूटा पुराना पुल

रास्ता बंद डायवर्जन से शहर में कई गुना बढ़ा ट्रैफिक, एफआईआर न होने पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के रतहरा से चोरहटा मार्ग पर चल रहा पुल निर्माण कार्य अब बड़े विवाद का रूप ले चुका है। यहां स्थित पुराना पुल जो पहले से जर्जर था अब पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इस पुल के ठीक बगल में चष्टष्ट कंपनी द्वारा नया पुल बनाया जा रहा है और इसी निर्माण कार्य में बरती गई कथित लापरवाही को पुराने पुल की इस हालत का मुख्य कारण बताया जा रहा है।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार नए पुल के निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों को दरकिनार किया गया। भारी मशीनों की आवाजाही गहरी खुदाई और तकनीकी सतर्कता की कमी के चलते पुराने पुल की नींव कमजोर होती चली गई। नतीजतन पुल की संरचना बुरी तरह प्रभावित हुई और उसे उपयोग के लायक नहीं माना गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने पुराने पुल को पूरी तरह बंद कर दिया है और यातायात को दूसरे मार्गों पर डायवर्ट कर दिया गया है। लेकिन इस डायवर्जन का असर अब पूरे शहर में साफ नजर आ रहा है। जहां पहले सामान्य ट्रैफिक रहता था अब वहां कई गुना अधिक वाहनों का दबाव देखा जा रहा है। प्रमुख सड़कों पर लंबा जाम लग रहा है और आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस पूरे हालात का सबसे ज्यादा असर पुलिस विभाग और आम नागरिकों पर पड़ रहा है। ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए पुलिस के अधिकारी से लेकर जवान तक लगातार सड़कों पर तैनात हैं लेकिन इसके बावजूद स्थिति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है। घंटों जाम में फंसे लोग अब प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि इतने बड़े घटनाक्रम के बावजूद अब तक चष्टष्ट कंपनी के खिलाफ कोई स्न्क्क्र दर्ज नहीं की गई है। जबकि आरोप सीधे तौर पर कंपनी की लापरवाही की ओर इशारा कर रहे हैं। यह स्थिति प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है क्या जिम्मेदारों को बचाया जा रहा है या फिर जांच में ही लापरवाही बरती जा रही है?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता तो आज यह दिन नहीं देखना पड़ता। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे इस पुल और सड़क परियोजना में लापरवाही न केवल सरकारी धन की बर्बादी है बल्कि आम जनता की सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है।

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी कंपनी व अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही वैकल्पिक यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाकर शहर को जाम से राहत दिलाई जाए।

मौत का अड्डा बनने का आरोप: अवैध अस्पताल संचालन पर उठे गंभीर सवाल

नईगढ़ी में फिर सक्रिय हुआ विवादित अस्पताल, स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की भूमिका पर प्रश्नचिह्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बहुचर्चित अष्टभुजा हॉस्पिटल प्रकरण के बाद भी कथित रूप से उसी संचालक द्वारा नईगढ़ी क्षेत्र में अस्पताल संचालित किए जाने के आरोप सामने आए हैं, जिससे प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। मामला वर्ष 2024 में जवा स्थित अष्टभुजा हॉस्पिटल में एक प्रसूता और नवजात की मृत्यु से जुड़ा है। आरोप है कि बिना आवश्यक विशेषज्ञों और वैध अनुमति के सीजेरियन डिलीवरी की गई, जिसके चलते दोनों की जान चली गई। घटना के बाद अस्पताल को सील किया गया था, लेकिन अब आरोप है कि वही संचालक नईगढ़ी, जिला मऊगंज में फिर से अस्पताल चला रहा है।

बताया जा रहा है कि संबंधित अस्पताल का नाम सरकारी NHS पोर्टल की अधिकृत सूची में दर्ज नहीं है, बावजूद इसके प्रसूति सेवाएं जारी हैं। नियमों के अनुसार, बिना पंजीयन और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति के इस प्रकार की चिकित्सा सेवाएं पूरी तरह अवैध हैं। इसके बावजूद कथित तौर पर खुलेआम संचालन प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े करता है। आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, अस्पताल का लाइसेंस बेहद कम समय में जारी किया गया, जिसमें पुराने और संदिग्ध दस्तावेजों के उपयोग की बात भी सामने आई है। फायर ऑडिट, प्रदूषण प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक कागजातों में विसंगतियां होने के बावजूद अनुमति मिलना कई गंभीर प्रश्न उत्पन्न करता है।

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि पूर्व में की गई शिकायतों पर भी समय पर कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को भी कथित रूप से बिना ठोस जांच के बंद कर दिया गया। बाद में उच्च स्तर पर शिकायत पहुंचने के बाद ही प्रशासन ने कार्रवाई की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि पुलिस जांच में लापरवाही के संकेत मिलने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। इससे यह आशंका और गहरा रही है कि कहीं न कहीं प्रभावशाली लोगों को संरक्षण दिया जा रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन समय रहते सख्त कार्रवाई करेगा, या फिर किसी और बड़ी घटना का इंतजार किया जाएगा। यह मामला न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा पर भी गंभीर चिंता खड़ी करता है।

बाइक के पास खड़े युवकों को ट्रेलर ने मारी टक्कर

1 की मौत, दो गंभीर घायल; परिजनों ने 2 घंटे लगाया जाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 39 (रीवा-सीधी मार्ग) पर महसांव चौड़ियार मोड़ के पास एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े बाइक सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रात करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच की है। मृतक और उसके साथी सड़क किनारे बाइक पर बैठकर बातचीत कर रहे थे, तभी सीधी की ओर से आ रहे ट्रेलर ने उन्हें रौंद दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक के शरीर के चिथड़े उड़ गए और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक ट्रेलर लेकर मौके से फरार हो गया।

मृतक की पहचान मनोज कोल (35 वर्ष), पिता स्व. सुदामा कोल, निवासी महसांव भैया टोला के रूप में हुई है। वहीं घायलों में छोटे कोल (निवासी चौड़ियार मोड़) और उसका साला शामिल हैं, जिन्हें उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि मनोज कोल अपने साले की शादी में शामिल होने चौड़ियार मोड़ आया था और कार्यक्रम स्थल से चंद कदम दूर यह हादसा हो गया।

घटना के बाद आक्रोशित परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने मौके पर चक्काजाम कर दिया, जिससे नेशनल हाईवे पर करीब 2 घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलते ही गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोविंदगढ़, समान, सिविल लाइन, विश्वविद्यालय और रायपुर कर्चुलियान थाना प्रभारियों सहित कई थानों की पुलिस मौके पर तैनात रही। गुढ़ तहसीलदार अरुण यादव भी घटनास्थल पहुंचे और शोकाकुल परिवार को समझाइश देते हुए शासन की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। वहीं महसांव सरपंच अभिजीत सिंह ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मृतक के परिजनों को अंत्येष्टि के लिए तत्काल 5000 रुपए की आर्थिक सहायता दी। प्रशासनिक समझाइश के बाद परिजनों ने जाम समाप्त किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेज दिया है और फरार ट्रेलर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

शाला जाने योग्य हर बच्चे का शाला में प्रवेश कराएं, स्वास्थ्य सेवाओं की कलेक्टर्स संवेदनशीलता से मॉनीटरिंग करें: मुख्य सचिव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए कलेक्टर्स तत्परता से प्रयास करें। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें। ऐप के माध्यम से प्रदेश में 6 साल की आयु पूरा करने वाले 10.45 लाख बच्चे चिन्हित किए गए हैं। इनका शाला में प्रवेश कराएं। आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा स्कूलों के कोलोकेशन में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करें। आंगनवाड़ी केन्द्र भवन के लिए जमीन बस्ती के आसपास चिन्हित करें। आवश्यक होने पर कलेक्टर मद परिवर्तन करके स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए जमीन उपलब्ध कराएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की कलेक्टर संवेदनशीलता से मानीटरिंग करें। माह में कम से कम दो बार समीक्षा बैठक आयोजित कर मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण की समीक्षा करें। गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, अति कुपोषित बच्चों के एनआरसी में भर्ती, सीवियर एनिमिक गर्भवती महिलाओं की उचित देखभाल तथा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा की समीक्षा करें।

कमिश्नर ने कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय को दिया कारण बताओ नोटिस

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संजय पाण्डेय को विकासखण्ड नईगढ़ी अन्तर्गत ग्राम खटखरी में गतदिनों टंकी ध्वस्त होने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कमिश्नर ने अपने नोटिस में कहा है कि पुनरीक्षित लागत 121.42 लाख रूपये से बनाई गयी टंकी की गुणवत्ता ठीक न होने पर मौके की जांच कराई गयी। टंकी का निर्माण वर्ष 2021-22 से प्रारंभ होकर वर्ष 2024 में पूर्ण हुआ।

रीवा सत्र न्यायालय का बड़ा फैसला: चर्चित प्रशांत मिश्रा हत्याकांड में दोनों आरोपी दोषमुक्त

ठोस साक्ष्यों के अभाव में अभियोजन विफल, बचाव पक्ष की प्रभावी पैरवी बनी निर्णायक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बहुचर्चित प्रशांत मिश्रा हत्याकांड में सत्र न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए आरोपी लवकुश पांडेय एवं अंबिकेश द्विवेदी को दोषमुक्त घोषित कर दिया है। वर्ष 2019 से सुर्खियों में रहे इस मामले में न्यायालय का यह फैसला न केवल आरोपियों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में साक्ष्यों और ठोस तर्कों के महत्व को भी रेखांकित करता है। ज्ञात हो कि 28 अगस्त 2019 को थाना विश्वविद्यालय क्षेत्र में प्रशांत मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने जांच के दौरान लवकुश पांडेय और अंबिकेश द्विवेदी को आरोपी बनाते हुए उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। अभियोजन पक्ष ने न्यायालय में कुल 28 गवाहों और 64 दस्तावेजों के माध्यम से आरोप सिद्ध करने का प्रयास किया।

हालांकि, सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह) ने अपने प्रभावी तर्कों और साक्ष्यों के विश्लेषण से अभियोजन पक्ष की दलीलों में कई गंभीर विरोधाभास उजागर किए। बचाव पक्ष ने एक महत्वपूर्ण गवाह प्रस्तुत किया, जिसने यह स्पष्ट किया कि मृतक के साथ देखा जाने वाला व्यक्ति कोई अन्य लवकुश था, न कि आरोपी लवकुश पांडेय। यह तथ्य मामले में निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके अलावा, अभियोजन द्वारा प्रस्तुत शव बरामदगी और हथियार जब्ती की कहानी पर भी सवाल उठाए गए। अधिवक्ता शेरा सिंह ने तर्क दिया कि आरोपी की निशानदेही पर शव मिलने का दावा संदिग्ध और अविश्वसनीय है। वहीं, सीसीटीवी फुटेज को लेकर भी बचाव पक्ष ने तकनीकी आधार पर यह साबित किया कि उसमें दिख रहा व्यक्ति आरोपी नहीं है। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों का गहन परीक्षण करने के बाद यह माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा है। परिणामस्वरूप, दोनों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया गया।

इस प्रकरण में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनिल द्विवेदी, गिरीश पटेल, साक्षी सिंह बघेल, साक्षी सिंह परिहार, संभव मिश्रा, सुरेश कुशवाहा, तृषा कुशवाहा, प्रतीक द्विवेदी और शम्मी शुक्ला ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। यह फैसला न केवल एक लंबे समय से लंबित मामले का अंत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि न्यायालय में सत्य, साक्ष्य और सक्षम विधिक रणनीति का कितना महत्वपूर्ण स्थान है। रीवा के न्यायिक इतिहास में यह निर्णय एक मिसाल के रूप में याद किया जाएगा।

पेंशनधारियों को मार्च माह की जारी की गयी पेशन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोपाल सें सिंगल क्लिक के माध्यम सें प्रदेश के साथ-साथ मऊगंज जिलें के 60980 पेशन हितग्राहियों को मार्च माह की पेशन राशि 600 रूपये प्रति व्यक्ति के मान सें कुल 3.66 करोड़ रूपये की राशि खातें मे स्थानान्तरित की गयी है। कार्यक्रम का प्रसारण मऊगंज कलेक्ट्रेट मे एनआईसी के माध्यम सें पेशनधारियों एवं जिले व ब्लाक के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ।

अफसरों के गायब रहने पर कलेक्टर सख्त, बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे अधिकारी; समीक्षा बैठक में नदारद रहने पर एक्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कलेक्टर ने सख्ती दिखाई है। कलेक्टर ने बिना स्वीकृति मुख्यालय से बाहर रहने पर रोक लगा दी है। अब कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के अपना कार्यालय या मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र जारी कर तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। हाल ही में एक अहम समीक्षा बैठक में कई अधिकारियों के नदारद मिलने के बाद यह कदम उठाया गया है।

27 अप्रैल की बैठक में नहीं पहुंचे थे कई अफसर: जारी आदेश के अनुसार, जिला पंचायत में पदस्थ परियोजना अधिकारी, एपीओ, पीओ मनरेगा सहित अन्य विभागीय अधिकारी अक्सर बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय से बाहर रहते हैं। इसका सीधा असर शासन की योजनाओं और उनकी समीक्षा बैठकों पर पड़ रहा है। इसी क्रम में 27 अप्रैल 2026 को आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान भी कई अधिकारी अनुपस्थित पाए गए थे। अधिकारियों के नदारद रहने के कारण विभागीय योजनाओं की समुचित समीक्षा नहीं हो सकी थी।

चेतावनी- बिना बताए मुख्यालय छोड़ा तो होगी वैधानिक कार्रवाई: बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति को कलेक्टर ने काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भविष्य में बिना पूर्व अनुमति के कोई भी अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा।

कलेक्टर को आया गुस्सा बोले- हीरोगिरी करने आते हो, लेट आने वाले कर्मचारियों को लाइन में खड़ा कर लगाई फटकार; चश्मा शर्ट से निकालकर हाथ में दिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को जिला पंचायत और कलेक्ट्रेट कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने देर से पहुंचने वाले कर्मचारियों को लाइन में खड़ा कर फटकार लगाई। उन्होंने अनुशासनहीनता पर नाराजगी जताते हुए अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू करने और लेट आने वालों से आधे दिन का अवकाश आवेदन लेने के निर्देश दिए हैं।

लाइन में खड़ा कर बोले- वेतन पूरा लेते हो, शर्म नहीं आती: जिला पंचायत कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की अनुपस्थिति और देरी पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने देर से पहुंचे कर्मचारियों को लाइन में खड़ा किया और कड़े शब्दों में कहा, 'शर्म नहीं आती, ड्यूटी पर एक घंटे लेट आते हो और एक घंटे पहले चले जाते हो, जबकि वेतन पूरा लेते हो।' उन्होंने एक-एक कर्मचारी से पूछताछ कर हिदायत दी।

जींस पहनकर आए कर्मचारी से कहा- हीरोगिरी करने आते हो: निरीक्षण के दौरान एक कर्मचारी जींस पहनकर और नए हेयर स्टाइल में कॉलर खुला रखकर कार्यालय पहुंचा था। उसने अपनी शर्ट पर महंगा चश्मा भी लटका रखा था। इसे देखकर कलेक्टर ने चश्मा शर्ट से निकालकर उसके हाथ में दे दिया और कहा, 'हीरोगिरी करने आते हो?' इसके बाद उसे भी लाइन में लगाकर फटकार लगाई गई।

कलेक्ट्रेट का भी किया निरीक्षण, वेतन काटने की चेतावनी: जिला पंचायत के बाद कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय का भी निरीक्षण किया। यहां भी देर से पहुंचे अधिकारियों और कर्मचारियों को समझाइश देकर कड़ी चेतावनी दी गई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि भविष्य में देरी से आने वाले कर्मचारियों का वेतन काटा जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर जिम्मेदारी से कार्य करने और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगरीय निकायों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम तय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि पुनरीक्षण के लिए 30 अप्रैल को कंट्रोल टेबल चेकलिस्ट वेंडर द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दी जाएगी। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इसमें 2 मई तक आवश्यक संशोधन करके 5 मई तक डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापन करेंगे। वेंडर 15 मई तक प्रारूप मतदाता सूची का मुद्रण करके रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। पुनरीक्षण के लिए मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 15 मई को होगा। मतदाता सूची के संबंध में दावे और आपत्तियाँ 25 मई को दोपहर 3 बजे तक दर्ज की जाएंगी। इनका निराकरण 30 मई तक किया जाएगा। दावे-आपत्तियों की चेकलिस्ट 6 जून तक तैयार करके रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इसे 8 जून तक वेण्डर को उपलब्ध कराएंगे। फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का मुद्रण वेण्डर 16 जून तक करेंगे। अंतिम मतदाता सूची का सार्वजनिक स्थलों पर प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 20 जून तक मतदाता सूची की सीडी और डीवीडी बिक्री के लिए उपलब्ध कराएंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।